▪ RNI No. : TNHIN/2013/52520 ▪ वर्ष - 13 ▪ अंक - 225 ▪ पृष्ठ - 8 ▪ रु. 5/- चेन्नई » शुक्रवार » 13-03-2026 ▪ www.dakshinbharat.com ▪ Email : chennai@dakshinbharat.com

दक्षिण भारत राष्ट्रमत

தக்ஷின் பாரத் ராஷ்ட்ரமத் | தினசரி ஹிந்தி நாளிதழ் | चेन्नई और बेंगलूरु से एक साथ प्रकाशित

तमिलनाडु में युवा शक्ति को नए अवसर

**पीएम कौशल विकास योजना के तहत करीब 9 लाख युवाओं को प्रशिक्षण,
PMKVY 4.0 में 480+ स्किल डेवलपमेंट सेंटर से प्रमुख उद्योगों में रोजगार के लिए नई पीढ़ी तैयार**

उद्यम पोर्टल पर लगभग 61+लाख एमएसएमई पंजीकृत

**प्रधानमंत्री रोजगार सृजन कार्यक्रम (PMEGP) के तहत 43,000+ नए उद्यम स्थापित,
युवाओं के लिए हजारों रोजगार के अवसर सृजित**

14,000+ डीपीआईआईटी मान्यता प्राप्त स्टार्टअप नवाचार को दे रहे बढ़ावा, युवाओं के लिए नए अवसर

तमिलनाडु में 7,000+ महिला-नेतृत्व वाले स्टार्टअप से नवाचार को नई दिशा

**एम्स मदुरै और 11 नए मेडिकल कॉलेजों की स्थापना से
चिकित्सा शिक्षा को मिली मजबूती**

450+ आईटीआई के माध्यम से व्यावसायिक शिक्षा को बढ़ावा, युवाओं के लिए कौशल विकास के अवसरों का विस्तार

विकसित भारत के लिए विकसित तमिलनाडु
मोदी सरकार का संकल्प

**“ हमारा सामूहिक लक्ष्य विकसित भारत के लिए एक विकसित तमिलनाडु है।
केंद्र सरकार समावेशी विकास और राज्य की प्रगति के लिए
पूरी तरह से प्रतिबद्ध है। ”**

- प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी

CBC 01101/13/0043/2526

होर्मुज से होकर एक तेल टैंकर मुंबई पहुंचा, एक अन्य पारादीप की राह पर

दक्षिण भारत राष्ट्रमत
dakshinbharat.com

नई दिल्ली/भाषा। पश्चिम एशिया में जारी संघर्ष के बीच भारत के लिए कच्चा तेल लेकर आ रहा एक विदेशी ध्वज वाला टैंकर होर्मुज जलडमरूमध्य को सकुशल पार कर मुंबई पहुंच गया है जबकि एक अन्य बड़ा टैंकर भारतीय जलक्षेत्र में प्रवेश कर ओडिशा के पारादीप बंदरगाह की तरफ बढ़ रहा है। यह जानकारी जहाज निगरानी आंकड़ों और उद्योग सूत्रों से मिली है।

क्षेत्र में बढ़ते संघर्ष के कारण जलडमरूमध्य से टैंकर की आवाजाही काफी हद तक प्रभावित हुई है। ऐसे में इन जहाजों का सुरक्षित पहुंचना भारत की ऊर्जा आपूर्ति के लिहाज से काफी महत्वपूर्ण है।

लाइबेरिया के ध्वज वाला टैंकर 'शेनलांग' सऊदी अरब से लगभग 10 लाख बैरल कच्चा तेल लेकर बुधवार शाम मुंबई बंदरगाह पहुंच गया। यह जहाज तीन मार्च को सऊदी अरब के रास तानुरा बंदरगाह से तेल लादकर रवाना हुआ था।

जहाज ने होर्मुज जलडमरूमध्य के पास अपना अंतिम सिग्नल नौ मार्च को प्रसारित किया था। उसके बाद जहाज की स्वचालित पहचान प्रणाली (एआईएस) कुछ समय के लिए बंद कर दी गई थी। संभवतः इसी दौरान जहाज ने इस जलडमरूमध्य को पार किया। बाद में वह फिर जहाज निगरानी

प्रणाली पर नजर आने लगा।

उद्योग सूत्रों ने कहा कि बुधवार को मुंबई बंदरगाह पर इस टैंकर के पहुंच जाने के बाद अब जहाज से तेल उतारने की प्रक्रिया शुरू हो चुकी है।

इसके अलावा, एक अन्य तेल टैंकर भी करीब 20 लाख बैरल इराकी कच्चा तेल लेकर भारतीय समुद्री क्षेत्र में पहुंच चुका है। भारतीय ध्वज वाला यह बहुत बड़ा टैंकर पारादीप की तरफ जा रहा है, जहां इंडियन ऑयल कॉरपोरेशन की रिफाइनरी स्थित है।

भारत अपनी कुल तेल जरूरतों का लगभग 88 प्रतिशत आयात करता है और इसका बड़ा हिस्सा पश्चिम एशिया से होर्मुज जलडमरूमध्य के रास्ते ही आता है।

ऐसी स्थिति में जलडमरूमध्य के मार्ग से तेल एवं गैस की निर्बाध आपूर्ति सुनिश्चित करने के लिए भारत सरकार ने ईरान के अधिकारियों से संपर्क साधा हुआ है। इस बीच, ऐसी अपुष्ट खबरें भी आई हैं जिनके मुताबिक ईरान ने भारतीय ध्वज वाले जहाजों को जलडमरूमध्य से सुरक्षित रास्ता देने पर सहमति जता दी है।

हालांकि, विदेश मंत्रालय के प्रवक्ता रणधीर जायसवाल ने इन खबरों को सही या गलत ठहराने से मना कर दिया। उन्होंने कहा, ''विदेश मंत्री एस जयशंकर और ईरान के विदेश मंत्री सैयद अब्बास अरागची के बीच हाल में तीन बार बातचीत हुई है। आखिरी बातचीत में दोनों पक्षों ने समुद्री जहाजों की सुरक्षा और भारत की ऊर्जा सुरक्षा से जुड़े मुद्दों पर चर्चा की। अभी इस पर अधिक विवरण साझा करना जल्दबाजी होगी।''

पोत परिवहन मंत्रालय में संयुक्त सचिव राजेश कुमार सिन्हा ने कहा कि होर्मुज जलडमरूमध्य बंद होने से 28 भारतीय जहाज फंस गए हैं। इन जहाजों पर सवार नाविकों की सुरक्षा के लिए लगातार नजर रखी जा रही है।

दूध उत्पादकों, विक्रेताओं के लिए पंजीकरण प्रमाण पत्र लेना जरूरी : खाद्य नियामक

दक्षिण भारत राष्ट्रमत
dakshinbharat.com

नई दिल्ली/भाषा। देश के कुछ हिस्सों में मिलावट की खबरों के बीच खाद्य नियामक एफएसएसएआई ने डेयरी सहकारी समितियों के सदस्यों को छोड़कर, सभी दूध उत्पादकों और दूध विक्रेताओं के लिए पंजीकरण प्रमाणपत्र लेना ज़रूरी कर दिया है।

भारतीय खाद्य सुरक्षा एवं मानक प्राधिकरण (एफएसएसएआई) ने सभी राज्यों और केंद्र शासित प्रदेशों के राज्य खाद्य आयुक्तों को दूध उत्पादक (डेयरी सहकारी समिति के सदस्यों को छोड़कर) और दूध विक्रेताओं के लिए ज़रूरी पंजीकरण/लाइसेंस के बारे में एक परामर्श जारी किया है।

नियामक ने बताया कि कुछ दूध उत्पादक और दूध विक्रेता खाद्य व्यवसाय गतिविधियां करने के लिए खुद को पंजीकृत किए बिना या लाइसेंस लिए बिना काम कर रहे हैं।

नियामक ने कहा, ''सभी दूध उत्पादकों (उनके अलावा जो सहकारी समिति कानून के तहत डेयरी सहकारी समिति के पंजीकृत सदस्य हैं) और दूध बेचने वालों को सलाह दी जाती है कि वे अपना काम शुरू करने या जारी रखने से पहले एफएसएसएआई के साथ खुद को ज़रूरी तौर पर पंजीकृत करें।''

एफएसएसएआई ने राज्य के खाद्य आयुक्तों से कहा, ''सभी राज्यों/केन्द्र शासित प्रदेशों में दूध में मिलावट की हालिया घटनाओं को देखते हुए, पंजीकरण-लाइसेंसिंग की ज़रूरतों का सख्ती से पालन किया जाएगा।''

दिल्ली पुलिस ने जलती हुई मटियाला झुग्गी बस्ती में विस्फोट होने से रोका

दक्षिण भारत राष्ट्रमत
dakshinbharat.com

नई दिल्ली/भाषा। दक्षिण-पश्चिम दिल्ली के मटियाला इलाके में एक बड़ा विस्फोट उस वक्त टल गया, जब दिल्ली पुलिस के एक हेड कांस्टेबल ने सीएनजी से चलने वाली एक बंद कार की खिड़की तोड़कर उसे भीषण आग से दूर हटा दिया। अधिकारियों ने बृहस्पतिवार को यह जानकारी दी।

मानसराम पार्क इलाके में बुधवार देर रात एक झुग्गी बस्ती में आग लग गई। भीषण आग के कारण 400 से अधिक झुग्गियां नष्ट हो गईं। पुलिस उपायुक्त (पीसीआर) पवन कुमार के अनुसार, बिंदापुर पुलिस थाने को रात 11.57 बजे आग लगने की सूचना मिली। स्थानीय पुलिस दल और पीसीआर इकाइयां निवासियों को सुरक्षित निकालने में सहायता के लिए मौके पर पहुंचीं। हेड कांस्टेबल रामरतन सरन ने फैलती हुई आग के बिल्कुल पास खड़ी एक बंद कार को देखा। वाहन में सीएनजी किट लगी होने और अत्यधिक गर्मी के कारण विस्फोट का खतरा होने का एहसास होने पर, अधिकारी ने पत्थर से कार का शीशा तोड़ दिया और उसे एक सुरक्षित स्थान पर ले गए। सरन ने बताया, ''आग गाड़ी के बहुत करीब तक पहुंच गई थी। यह एक नई सीएनजी कार थी और गैस भरी थी। चूंकि गाड़ी लॉक थी, इसलिए मैंने खिड़की तोड़कर उसे दूर हटाया।'' पुलिस उपायुक्त (द्वारका) कुशलपाल सिंह ने कहा कि अधिकारी के समय पर हस्तक्षेप से एक बड़ी घटना टल गई। बाद में दिल्ली पुलिस ने अपने आधिकारिक फेसबुक हैंडल पर घटना के दृश्य साझा किए और हेड कांस्टेबल की विवेकपूर्ण कार्रवाई की प्रशंसा की। पुलिस ने पोस्ट में लिखा, बिंदापुर की झुग्गी बस्ती में लगी आग के दौरान, घटनास्थल पर मौजूद पीसीआर यूनिट में तैनात हेड कांस्टेबल रामरतन सरन ने आग के करीब खड़ी एक कार को देखा और विस्फोट की आशंका को भांपते हुए कार का शीशा तोड़ दिया और वाहन को समय रहते हटा दिया। इस सूझबूझपूर्ण कार्रवाई से एक बड़ी दुर्घटना टल गई।

बम की धमकी वाले ईमेल को पश्चिम एशिया संघर्ष से न जोड़ें : योगेश कदम

दक्षिण भारत राष्ट्रमत
dakshinbharat.com

मुंबई/भाषा। महाराष्ट्र के गृह राज्य मंत्री (शहर) योगेश कदम ने बृहस्पतिवार को कहा कि विधान भवन और बॉम्बे स्टॉक एक्सचेंज (बीएसई) सहित प्रमुख इमारतों पर ''मिसाइल और बम हमलों'' की धमकी भरे ईमेल को पश्चिम एशिया में जारी संघर्ष से नहीं जोड़ा जाना चाहिए। कांग्रेस ने मामले की गहन जांच की मांग की।

विधान परिषद के सभापति राम शिंदे ने कहा कि विधान परिषद के आधिकारिक ईमेल खाते पर सुबह छह बजकर 57 मिनट पर प्राप्त इस ईमेल में विधान भवन परिसर, बॉम्बे स्टॉक एक्सचेंज, मुंबई उच्च न्यायालय, मुंबई मेट्रो और एक बैंक पर संभावित हमलों का जिक्र किया गया था। अधिकारियों ने बताया कि इसके बाद सुरक्षा एजेंसियों ने अलर्ट जारी कर विधान भवन

परिसर में व्यापक तलाशी अभियान चलाया। दक्षिण मुंबई स्थित विधान भवन में इस समय बजट सत्र जारी है और परिसर को सुरक्षित बताया गया है। पत्रकारों से बातचीत में कदम ने कहा कि अधिकारी ईमेल के स्रोत और प्रेषक की पहचान का पता लगाने का प्रयास कर रहे हैं। उन्होंने कहा, इस तरह के फर्जी ईमेल कभी-कभी आते रहते हैं, लेकिन विधान भवन सुरक्षित है। पश्चिम एशिया में संघर्ष जारी है, लेकिन इस ईमेल को उस संघर्ष से जोड़ना सही नहीं होगा। मुंबई और अन्य महत्वपूर्ण स्थानों पर सुरक्षा की समीक्षा की गई है।

गोवा में घरेलू रसोई गैस की कमी नहीं : सावंत

दक्षिण भारत राष्ट्रमत
dakshinbharat.com

पणजी/भाषा। गोवा के मुख्यमंत्री प्रमोद सावंत ने बृहस्पतिवार को कहा कि घरेलू उपयोग के लिए रसोई गैस (एलपीजी) की कोई कमी नहीं है, हालांकि राज्य के विभिन्न हिस्सों में गैस वितरकों के बाहर लंबी कतारें देखी गईं। सावंत ने कहा कि पश्चिम एशिया में बढ़ते संघर्ष के कारण व्यावसायिक प्रतिष्ठानों के लिए एलपीजी की आपूर्ति प्रभावित हुई है।

बृहस्पतिवार को विधानसभा की बैठक शुरू होने पर विपक्ष ने राज्य में एलपीजी की कथित कमी का मुद्दा उठाया।

विपक्ष के नेता यूरी अलेमाओ ने दावा किया कि गोवा में एलपीजी सिलेंडर वितरकों के बाहर लंबी कतारें देखी जा रही हैं। उन्होंने कहा कि राज्य में उत्पन्न ''आपातकालीन'' स्थिति के बारे में सरकार को स्पष्टीकरण देना चाहिए।

इस पर मुख्यमंत्री ने कहा कि घरेलू रसोई गैस की कोई कमी नहीं है, हालांकि व्यावसायिक इकाइयों के लिए एलपीजी की आपूर्ति में समस्या है। उन्होंने कहा कि राज्य सरकार इस मुद्दे पर केंद्र के संपर्क में है। मुख्यमंत्री ने कहा कि राज्य सरकार आपूर्ति के बारे में केंद्र से विवरण मांगेगी और स्थिति से निपटने के लिए आवश्यक कदम उठाएगी।

तेलंगाना के मुख्यमंत्री ने नेटफ्लिक्स के 'आईलाइन स्टूडियोज' का उद्घाटन किया

हैदराबाद/भाषा। तेलंगाना के मुख्यमंत्री ए रेवंत रेड्डी ने बृहस्पतिवार को यहां नेटफ्लिक्स 'आईलाइन स्टूडियोज' के ग्लोबल वीएफएक्स और वर्चुअल प्रोडक्शन केंद्र का उद्घाटन किया तथा ओटीटी क्षेत्र की अग्रणी कंपनी को राज्य सरकार द्वारा शहर के बाहरी इलाके में विकसित किए जा रहे 'भारत फ्यूचर सिटी' में एक बड़ा केंद्र स्थापित करने के लिए आमंत्रित किया। आईलाइन नेटफ्लिक्स का इनोवेशन हब है। रेड्डी ने सभी फॉर्च्यून 500 कंपनियों को 'भारत फ्यूचर सिटी' लाने का वादा किया।

हैदराबाद को अंतरराष्ट्रीय फिल्म उद्योग का केंद्र बनाने के अपने सपने का जिक्र करते हुए रेड्डी ने कहा कि शहर में नेटफ्लिक्स द्वारा केंद्र स्थापित करने का मतलब हॉलीवुड का आगमन है। उन्होंने कहा, यह मेरे सपने की पहली सीढ़ी है। यह जगह सिर्फ टॉलीवुड, बॉलीवुड, कॉलीवुड के लिए ही नहीं है। मैं हॉलीवुड पर ध्यान केंद्रित कर रहा था। आज मुझे यह घोषणा करते हुए खुशी हो रही है कि नेटफ्लिक्स यहां आ गया है। मैं पूरे विश्वास के साथ कह सकता हूं कि हॉलीवुड यहां पहुंच गया है। मेरा सपना सच होने जा रहा है। मैं नेटफ्लिक्स का स्वागत करता हूं। उन्होंने नेटफ्लिक्स से हैदराबाद में अपनी उपस्थिति बढ़ाने का आग्रह करते हुए ओटीटी मंच को सरकार के समर्थन का आश्वासन दिया। उद्घाटन समारोह में राज्य के सूचना एवं प्रौद्योगिकी मंत्री श्रीधर बाबू, सूचना एवं प्रसारण मंत्रालय के सचिव संजय जाजू और अभिनेता-निर्माता राणा दग्गुबाती के साथ-साथ आईलाइन स्टूडियोज के मुख्य कार्यकारी अधिकारी (सीईओ) जेफ शापिरो भी उपस्थित थे। आईलाइन स्टूडियोज नेटफ्लिक्स का दृश्य प्रभाव (विजुअल इफेक्ट्स) और वर्चुअल प्रोडक्शन के लिए प्रमुख नवाचार केंद्र है, जहां व्यावहारिक फिल्म निर्माण और अगली पीढ़ी की तकनीक का संगम होता है।

फारूक अब्दुल्ला की हत्या के प्रयास पर शरद पवार ने कहा: गहरी चिंता का विषय

मुंबई/भाषा। पूर्व केंद्रीय मंत्री शरद पवार ने जम्मू-कश्मीर के पूर्व मुख्यमंत्री फारूक अब्दुल्ला पर हुए हत्या के प्रयास को बृहस्पतिवार को गहरी चिंता का विषय करार दिया।

पवार ने 'एक्स' पर पर लिखा, ''वरिष्ठ नेता फारूक अब्दुल्ला और उपमुख्यमंत्री सुरिंदर चौधरी की मौजूदगी में एक शादी समारोह में हुई गोलीबारी की घटना गहरे चिंता का विषय है। सौभाग्य से, किसी को कोई चोट नहीं आई, जो बड़ी राहत की बात है। उन्होंने आगे कहा, हालांकि, ऐसी घटनाएं सार्वजनिक सुरक्षा के लिए गंभीर खतरा पैदा कर सकती हैं। यह जानकर राहत मिलती है कि सभी गणमान्य व्यक्ति सुरक्षित हैं। उनकी स्वास्थ्य, लंबी उम्र और निरंतर सुरक्षा के लिए हार्दिक शुभकामनायें।'' नेशनल कांफ्रेंस के अध्यक्ष एवं वरिष्ठ राजनेता अब्दुल्ला (88) को बुधवार रात जम्मू के बाहरी इलाके, ग्रेटर कैलाश क्षेत्र में एक विवाह समारोह हॉल से निकलते समय नज़दीकी दूरी से निशाना बनाने की कोशिश की गई।

सरकार दो संकट पैदा कर रही, 'सरेंडर क्राइसिस' और 'सिलेंडर क्राइसिस' : कांग्रेस सांसद

दक्षिण भारत राष्ट्रमत
dakshinbharat.com

नई दिल्ली/भाषा। कांग्रेस सांसद शफी परम्बिल ने देश में ''एलपीजी संकट'' को लेकर बृहस्पतिवार को सरकार पर आरोप लगाया कि वह दो तरह के संकट पैदा कर रही है, 'सरेंडर क्राइसिस' और 'सिलेंडर क्राइसिस'। उन्होंने मीडिया में आई खबरों का हवाला देते हुए कहा कि दिल्ली उच्च न्यायालय में वकीलों की कैंटीन में एलपीजी गैस की कमी के कारण अस्थायी रूप से 'मेन कोर्स' का खाना देना बंद कर दिया गया है।

वर्ष 2025-26 के लिए अनुदान की अनुपूरक मांग के दूसरे बैच पर लोकसभा में चर्चा में हिस्सा लेते हुए, उन्होंने कहा कि ''एलपीजी संकट'' के कारण बेंगलूरु में होटल से लेकर घरों तक, सभी परिवार दहशत में आ गए हैं, नोएडा में रसोई गैस एजेंसियों के बाहर लंबी कतार लग रही है और विभिन्न शहरों में हर परिवार संकट में है। उन्होंने कहा कि रसोई गैस की आपूर्ति में कमी और युद्ध के कारण उत्पन्न हुए संकट से निपटने के सरकार के तरीके ने लोगों की परेशानी बढ़ा दी है।

कांग्रेस सांसद ने कहा, ''मैं कहना चाहूंगा कि सरकार दो संकट पैदा कर रही है -- पहला, सरेंडर क्राइसिस और दूसरा, सिलेंडर क्राइसिस।'' उन्होंने अमेरिकी डॉलर के मुकाबले रुपए के कमजोर होने के संबंध में गुजरात के मुख्यमंत्री रहते हुए नरेन्द्र मोदी द्वारा की गई टिप्पणी को उद्धृत किया, जिस पर सत्तापक्ष के सदस्यों की ओर से कड़ी आपत्ति जताई गई।

भाजपा के निशिकांत दुबे ने हस्तक्षेप करते हुए कहा, ''नियम 216 यह कहता है कि जब अनुदान की मांग पर आप चर्चा करते हैं तो अन्य विषय पर चर्चा नहीं कर सकते। जिन मांगों को सरकार लेकर आकर आई है, केवल उसी पर अपनी बात रखिये। किसी नीतिगत विषय पर या किसी अन्य विषय पर आप बोल नहीं सकते।''

अजित पवार विमान हादसे की निष्पक्ष और पारदर्शी जांच की आवश्यकता : राहुल

दक्षिण भारत राष्ट्रमत
dakshinbharat.com

नई दिल्ली/भाषा। कांग्रेस के पूर्व अध्यक्ष राहुल गांधी ने कहा कि महाराष्ट्र के पूर्व उप मुख्यमंत्री अजित पवार के विमान से जुड़े हादसे की निष्पक्ष और पारदर्शी जांच की जरूरत है। उन्होंने कहा कि ऐसा लगता है कि कानून के बुनियादी सिद्धांतों का पालन नहीं किया जा रहा है। राष्ट्रवादी कांग्रेस पार्टी (शप) के विधायक रोहित पवार ने राहुल गांधी से मुलाकात कर उन्हें मामले के तथ्यों से अवगत कराया। राहुल गांधी ने पोस्ट किया, ''रोहित पवार ने आज मुझसे मुलाकात की और बारामती विमान दुर्घटना की जांच के बारे में गंभीर चिंता जताते हुए पत्र सौंपा, जिसमें अजित पवार जी और अन्य लोगों की जान चली गई थी। ऐसा प्रतीत होता है कानून के बुनियादी सिद्धांतों का पालन नहीं किया और मामले की गंभीरता के बावजूद प्राथमिकी दर्ज नहीं की गई है।''

पश्चिम एशिया संकट शुरू होने के बाद से निवेशकों की संपत्ति 23.44 लाख करोड़ रुपए घटी

नई दिल्ली/भाषा। पश्चिम एशिया में संघर्ष शुरू होने के बाद से अबतक निवेशकों की संपत्ति 23.44 लाख करोड़ रुपए घट गई है। अमेरिका और इजराइल के ईरान पर हमले से शेयर बाजारों में तेज गिरावट आई है और बीएसई सेंसेक्स छह प्रतिशत से अधिक नीचे आया है।

इस संघर्ष के कारण फारस की खाड़ी और ओमान की खाड़ी के बीच स्थित संकरे जलमार्ग, होर्मुज जलडमरूमध्य से जहाजों की आवाजाही प्रभावित हुई है। इससे वैश्विक तेल मानक ब्रेंट क्रूड 6.66 प्रतिशत बढ़कर 98.11 अमेरिकी डॉलर प्रति बैरल हो गया। शेयर बाजार में 27 फरवरी से, 30 शेयरों पर आधारित बीएसई सेंसेक्स 5,252.77 अंक यानी 6.46 प्रतिशत नीचे आया है। इस दौरान बीएसई में सूचीबद्ध कंपनियों का बाजार पूंजीकरण 23,44,237.26 करोड़ रुपए घटकर 4,40,06,434.01 करोड़ रुपए (4,770 अरब डॉलर) हो गया। उतार-चढ़ाव भरे कारोबार में तीस शेयरों पर आधारित बीएसई सेंसेक्स बृहस्पतिवार को 829.29 अंक यानी 1.08 प्रतिशत टूटकर 76,034.42 अंक पर बंद हुआ। कारोबार के दौरान यह 992.53 अंक लुढ़क कर 75,871.18 अंक पर आ गया था।

जम्मू में पाक ड्रोन से गिराई गई 12 करोड़ रुपए कीमत की हेरोइन बरामद

जम्मू/भाषा। जम्मू में अंतरराष्ट्रीय सीमा के पास पाकिस्तानी ड्रोन द्वारा गिराई गई करीब दो किलोग्राम हेरोइन बरामद की गई है, जिसकी अंतरराष्ट्रीय बाजार में कीमत लगभग 12 करोड़ रुपए आंकी गई है। अधिकारियों ने बृहस्पतिवार को यह जानकारी दी।

अधिकारियों के अनुसार, जम्मू पुलिस और सीमा सुरक्षा बल (बीएसएफ) की 101वीं बटालियन ने बुधवार देर रात बिश्राह क्षेत्र के बहादुरपुरा गांव में एक खेत से यह हेरोइन बरामद की।

पुलिस ने बताया कि संदिग्ध ड्रोन से सामान गिराए जाने की सूचना पर कार्रवाई करते हुए तलाशी अभियान शुरू किया गया। इस दौरान रस्सी और हुक से जुड़ा एक बैग बरामद हुआ जिसमें हेरोइन के छोटे पैकेट थे। पुलिस ने इस बरामदगी को मादक पदार्थों की तस्करी के खिलाफ एक महत्वपूर्ण उपलब्धि करार दिया है।

अय्यर और थरूर के बीच आरोप-प्रत्यारोप, दोनों ने लिखे 'खुले पत्र'

दक्षिण भारत राष्ट्रमत
dakshinbharat.com

नई दिल्ली/भाषा। कांग्रेस के वरिष्ठ नेता मणिशंकर अय्यर ने एक खुला पत्र लिखकर पार्टी सांसद शशि थरूर पर निशाना साधते हुए कहा है कि अब उनसे किसी तरह का संबंध नहीं है, जिसको लेकर थरूर ने पलटवार किया कि अय्यर ने बहुत सारी अनावश्यक टिप्पणियां की हैं।

दोनों के बीच आरोप-प्रत्यारोप की शुरुआत उस वक्त हुई जब अय्यर द्वारा थरूर को एक खुला पत्र लिखा गया जो इस सप्ताह की शुरुआत में 'फ्रंटलाइन' पत्रिका में प्रकाशित हुआ था। अय्यर ने कहा कि वह छह मार्च को एक टीवी चैनल पर इजराइल द्वारा अमेरिका और पश्चिमी देशों के साथ मिलकर ईरान के खिलाफ छेड़े गए ''अवैध युद्ध'' पर थरूर के सवालों के जवाब से काफी हैरान थे। अय्यर ने लिखा, ''मैं इतना परेशान हो गया हूं कि सो नहीं सका और सुबह तीन बजे उठकर आपको यह खुला पत्र लिख रहा हूं।'' अय्यर ने दावा किया कि उन्होंने न केवल कांग्रेस अध्यक्ष पद

के चुनाव में थरूर को वोट देकर अपना राजनीतिक करियर दांव पर लगाया, जबकि उन्हें पता था कि थरूर बुरी तरह हारेंगे, बल्कि अगले दिन 'द इंडियन एक्सप्रेस' में यह (आलेख) लिखकर भी कहा कि विजेता मल्लिकार्जुन खरगे को गांधी परिवार और 'जी-23' समूह के कुछ लोगों के समर्थन के बावजूद उनके खिलाफ खड़े होने के (थरूर के) लोकतांत्रिक अधिकार का उदारतापूर्वक सम्मान करना चाहिए। उन्होंने लेख में कहा, ''लेकिन कुछ शुरुआती संकेत थे कि आप 'हम में से एक' नहीं थे। अब, एक ऐसे शासन के प्रति आपकी गहरी सहानुभूति ने इस पर पड़े पर्दे को हटा दिया है...यह रास्ते अलग होने का मामला है।

अय्यर पर पलटवार करते हुए, थरूर ने एक खुला पत्र लिखा, जिसे एनडीटीवी ने बृहस्पतिवार को प्रकाशित किया, जिसमें उन्होंने कहा कि असहमति एक समृद्ध लोकतंत्र की पहचान है, लेकिन किसी सहयोगी के इरादों या देशभक्ति पर सिर्फ इसलिए सवाल उठाना उचित नहीं है कि वह विदेश नीति के लिए एक अलग दृष्टिकोण अपनाते हैं। थरूर ने कहा, हालांकि आप अपने विचार रखने के हकदार हैं, मेरा रुख (और मेरे चरित्र) का आपका हालिया सार्वजनिक 'मूल्यांकन' स्पष्ट प्रतिक्रिया की मांग करता है।'' थरूर ने कहा, मैंने हमेशा अंतरराष्ट्रीय मामलों को स्पष्ट राष्ट्रवादी दृष्टिकोण से देखा है, भारत के हितों, सुरक्षा और वैश्विक स्थिति को हर चर्चा के केंद्र में रखा है।

गांवों से अपनापन नदारद, अब तो केवल नफरत और समस्याएं ही नजर आती हैं : कांग्रेस

दक्षिण भारत राष्ट्रमत
dakshinbharat.com

नई दिल्ली/भाषा। राज्यसभा में बृहस्पतिवार को कांग्रेस के इमरान प्रतापगढ़ी ने सरकार पर गांवों में अपनापन और प्यार समाप्त करने का आरोप लगाते हुए कहा कि अब गांवों में केवल नफरत और समस्याएं ही नजर आती हैं।

ग्रामीण विकास मंत्रालय के कामकाज पर उच्च सदन में चर्चा में हिस्सा ले रहे प्रतापगढ़ी ने कहा कि पहले गांवों में अपनापन और प्यार होता था लेकिन 2014 के बाद से केवल नफरत और समस्याएं ही नजर आती हैं। उन्होंने कहा कि ग्रामीण विकास मंत्रालय के कामकाज पर चर्चा हो रही है लेकिन गांवों से जुड़ा हर वर्ग परेशान है। उन्होंने कहा कि गांवों के लोगों को रोजगार मुहैया कराने वाली योजना ''मनरेगा'' को आगे बढ़ाने के बजाय उसे सरकार खत्म करना चाहती है। ''नाम बदलना तो केवल एक बहाना है।'' प्रतापगढ़ी ने कहा कि सरकार प्रधानमंत्री ग्राम सड़क योजना की सफलता का दावा कर अपनी पीठ थपथपाती है लेकिन किसी भी राज्य में देखिये, सड़कों की हालत खराब है। ''बीमार व्यक्ति तो उन सड़कों से अस्पताल तक पहुंच ही नहीं पाता और गर्भवती महिलाओं को इन सड़कों से अस्पताल पहुंचाना दूभर हो जाता है।'' उन्होंने कहा कि किसान लगातार अपनी मांगों को ले कर खड़े रहे लेकिन इस सरकार ने उनकी बात नहीं सुनी। उनके अनुसार, किसानों की हालत आज भी नहीं सुधरी और उनकी आमदनी नहीं बढ़ी। ''किसान अपनी मेहनत से अन्न उपजाता है लेकिन सरकार उसे न्यूनतम समर्थन मूल्य भी नहीं देती।'' कांग्रेस सदस्य ने कहा ''हम तो गांवों से शहर पलायन नहीं करने का सपना देखते थे लेकिन गांवों को जिस तरह मूलभूत सुविधाओं से वंचित रखा गया है उससे साफ है कि गांव के लोगों के लिए पलायन करना मजबूरी है। भारतीय जनता पार्टी के बाबूराम निषाद ने कहा कि आलोचना करना अलग बात है लेकिन अगर गांवों का विकास नहीं हुआ होता तो उथल-पुथल के इस दौर में भारत इतनी मजबूती से नहीं खड़ा होता। यह विकास 2014 के बाद से हुआ है और गांवों की तस्वीर बदली है।

■ RNI No. : TNHIN/2013/52520 ■ वर्ष - 13 ■ अंक - 225 ■ पृष्ठ - 8 ■ रु. 5/- चेन्नई » शुक्रवार » 13-03-2026 ■ www.dakshinbharat.com ■ Email : chennai@dakshinbharat.com

दक्षिण भारत राष्ट्रमत

தக்ஷின் பாரத் ராஷ்ட்ரமத் | தினசரி ஹிந்தி நாளிதழ் | चेन्नई और बेंगलूरु से एक साथ प्रकाशित

5 किसी को नहीं पता राहुल गांधी किस दुनिया में रहते हैं : सिंह

6 हॉर्मुज की घेराबंदी और भारत में गहराता गैस संकट

7 भावनाओं में बहकर शो छोड़ना आसान है पर जिमेदारी निभाना चुनौती : निक्की तंबोली

फर्स्ट टेक

बैंकों का सर्वर हैक कर करोड़ों रुपए हस्तातंरित करने वाले दो नाइजीरियाई गिरफ्तार

नोएडा (उप्र)/भाषा। नोएडा के सेक्टर-63 में स्थित एक बैंक का सर्वर हैक कर 16 करोड़ 71 लाख रुपये की राशि हस्तांतरित करने के मामले में दो नाइजीरियाई नागरिकों को गिरफ्तार किया गया है। पुलिस ने बृहस्पतिवार को यह जानकारी दी। साइबर अपराध थाना पुलिस और नॉलेज पार्क पुलिस ने संयुक्त रूप से कार्रवाई करते हुए इस गिरोह के दो सदस्यों को गिरफ्तार किया जबकि अन्य की तलाश जारी है। पुलिस के एक प्रवक्ता ने बताया कि गिरफ्तार आरोपियों के पास से पुलिस ने पांच मोबाइल फोन, 39 हजार रुपए नगद, चार मोबाइल फोन सिम कार्ड आदि बरामद किया है। उन्होंने बताया कि गिरफ्तार आरोपियों की पहचान मोडेब ओडिक्पो जोसेफ और एस. ओकोनकवों के रूप में हुई है जो नाइजीरिया के नागरिक हैं। उन्होंने बताया कि इनके कुछ साथी फरार हैं।

रुपया 92.25 प्रति डॉलर के सर्वकालिक निचले स्तर पर

मुंबई/भाषा। अंतरबैंक विदेशी मुद्रा विनिमय बाजार में बृहस्पतिवार को रुपया 24 पैसे लुढ़ककर 92.25 प्रति डॉलर के अपने अब तक के सबसे निचले स्तर पर बंद हुआ। पश्चिम एशिया में जारी युद्ध के बीच वैश्विक कच्चे तेल की कीमतों में जबर्दस्त तेजी तथा विदेशी पूंजी की भारी निकासी के कारण रुपये में यह तेज गिरावट आई। विदेशी मुद्रा कारोबारियों ने कहा कि पश्चिम एशिया में चल रहे युद्ध के बीच घरेलू शेयर बाजारों में भारी बिकवाली और डॉलर के मजबूत होने से भारतीय मुद्रा पर असर पड़ा। अंतरबैंक विदेशी मुद्रा विनिमय बाजार में रुपया 92.25 प्रति डॉलर पर खुला। कारोबार के दौरान इसमें लगातार गिरावट जारी रही और यह डॉलर के मुकाबले अपने रिकॉर्ड निचले स्तर 92.36 को छू गया। कारोबार के अंत में यह 92.25 प्रति डॉलर पर बंद हुआ जो पिछले बंद भाव से 24 पैसे की गिरावट है।

इजराइल ने दक्षिण लेबनान के विशाल क्षेत्र से लोगों को चले जाने की चेतावनी दी

दुबई/एपी। इजराइल की सेना ने दक्षिणी लेबनान के एक बड़े इलाके के निवासियों को अपने घरों से चले जाने की चेतावनी दी है और कहा है कि वह हिजबुल्ला के खिलाफ 'दृढ़' कार्रवाई करेगी। इजराइली सेना के अरबी भाषा प्रकोष्ठ के प्रवक्ता अविचाई अद्राई ने 'एक्स' पर कहा कि लेबनानी निवासियों को जहरानी नदी के उत्तर में चले जाना चाहिए, जो इजराइल की सीमा से लगभग 56 किलोमीटर दूर है।

प्रधानमंत्री ने भारत की ऊर्जा सुरक्षा के साथ समझौता किया है : राहुल

दक्षिण भारत राष्ट्रमत
dakshinbharat.com

■ राहुल गांधी के मुताबिक नरेन्द्र मोदी भारत के प्रधानमंत्री के रूप में कार्य करने में सक्षम नहीं हैं।

नई दिल्ली/भाषा। लोकसभा में नेता प्रतिपक्ष राहुल गांधी ने रसोई गैस (एलपीजी) की किल्लत को लेकर बृहस्पतिवार को आरोप लगाया कि प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी ने भारत की ऊर्जा सुरक्षा के साथ समझौता किया है। उन्होंने यह भी कहा कि ईंधन की समस्या बढ़ने वाली है और ऐसे में सरकार को समय रहते जरूरी प्रबंध करना चाहिए।

राहुल गांधी ने संसद परिसर में संवाददाताओं से कहा, ''मुख्य बात यह है कि रसोई गैस की समस्या होने वाली है, पेट्रोल की समस्या होने वाली है। सभी ईंधन को लेकर समस्या खड़ी होने जा रही है, क्योंकि हमारी ऊर्जा सुरक्षा से समझौता किया गया है।'' उनक कहना था कि अभी तैयारी करने की जरूरत है, क्योंकि अभी भी समय है।

राहुल गांधी ने कहा, ''प्रधानमंत्री और सरकार को तुरंत इस समस्या से निकलने के लिए तैयारी शुरू कर देनी चाहिए। अगर तैयारी नहीं की तो करोड़ों लोगों का नुकसान होगा।''

कांग्रेस के पूर्व अध्यक्ष ने कहा, ''यह इससे भी बड़ा मुद्दा है कि ईरान हमें ईंधन लेने देता है या नहीं। हम एक अस्थिर दौर में जा रहे हैं। जब आप अस्थिर समय में जाते हैं तो आपको अपनी सोच बदलनी होगी। आपकी मानसिकता एक जैसी नहीं हो सकती। इसलिए मैं सरकार को जो सुझाव दे रहा हूं वह यह है कि वे संभावनाओं के बारे में गहराई से सोचना शुरू करें और यह सुनिश्चित करने के लिए सोचें कि हमें क्या करना है ताकि लोगों को परेशानी न हो।'' उन्होंने कहा, ''मैं कोई राजनीतिक बयान नहीं दे रहा हूं. मैं सिर्फ इतना कह रहा हूं कि मुझे आगे बड़ी समस्या नजर आ रही है।'' उनके मुताबिक, यहां एक प्रमुख समस्या है कि प्रधानमंत्री भारत के प्रधानमंत्री के रूप में कार्य करने में सक्षम नहीं हैं।

प्रधानमंत्री मोदी ने एलपीजी को लेकर दहशत फैलाने वालों पर निशाना साधा

'रसोई गैस के मुद्दे पर कुछ लोग अनावश्यक रूप से दहशत फैला रहे हैं'

दक्षिण भारत राष्ट्रमत
dakshinbharat.com

■ पश्चिम एशिया में मौजूदा संकट से देश की ऊर्जा सुरक्षा सुनिश्चत करने के लिए सरकार हर संभव प्रयास कर रही है।

नई दिल्ली/भाषा। प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी ने भारत में रसोई गैस की स्थिति को लेकर दहशत फैलाने की कोशिश करने वालों पर निशाना साधते हुए बृहस्पतिवार को कहा कि वे न केवल जनता के सामने खुद को बेनकाब कर रहे हैं बल्कि देश को भी नुकसान पहुंचा रहे हैं।

यहां 'एनएक्सटी समिट' को संबोधित करते हुए मोदी ने यह भी कहा कि पश्चिम एशिया में मौजूदा संकट से कोई भी देश अछूता नहीं है लेकिन भारत इस चुनौती से निपटने के लिए पूरी तरह से प्रतिबद्ध है और देश की ऊर्जा सुरक्षा सुनिश्चत करने के लिए हर संभव प्रयास कर रहा है। उन्होंने यह भी कहा कि कुछ लोग मौजूदा हालात का फायदा उठाकर कुछ उत्पादों की कालाबाजारी करने की कोशिश कर रहे हैं और चेतावनी दी कि ऐसे तत्वों के खिलाफ कार्रवाई की जाएगी। उन्होंने कहा, मैं राज्य सरकारों से अनुरोध करता हूं कि वे ऐसे समय में कालाबाजारियों और जमाखोरों को रोकने के लिए निगरानी बढ़ाएं। रसोई गैस के मुद्दे पर प्रधानमंत्री ने कहा कि वर्तमान में एलपीजी को लेकर काफी चर्चा हो रही है, और कुछ लोग अनावश्यक रूप से दहशत फैला रहे हैं।

मोदी ने कहा, ''मैं इस समय कोई राजनीतिक बयान देना नहीं चाहता। जो लोग दहशत फैला रहे हैं, वे न केवल जनता के सामने अपने इरादों को उजागर कर रहे हैं, बल्कि देश को भी नुकसान पहुंचा रहे हैं।'' प्रधानमंत्री ने यह भी कहा कि सरकार कई मोर्चों पर सक्रिय रूप से काम कर रही है और पिछले कुछ दिनों में उन्होंने पश्चिम एशिया के घटनाक्रम के बारे में कई देशों के नेताओं से बात की है। उन्होंने कहा, हम आपूर्ति शृंखला में आने वाली बाधाओं को दूर करने के लिए निरंतर प्रयास कर रहे हैं। उन्होंने कहा, सरकार यह सुनिश्चित करने के लिए हर संभव प्रयास करेगी कि किसानों और नागरिकों को वैश्विक चुनौतियों के बोझ से बचाया जा सके।

प्रधानमंत्री ने यह भी कहा कि पश्चिम एशिया में संघर्ष से उत्पन्न मौजूदा संकट से निपटने में हर किसी की महत्वपूर्ण भूमिका है- चाहे वह राजनीतिक दल हों, मीडिया हो, युवा हों, शहर हों या गांव हों। उन्होंने कहा कि हर कोई इस बात से भलीभांति अवगत है कि वैश्विक परिस्थितियां अचानक बदल सकती हैं, जैसा कि लोगों ने हाल के वर्षों में देखा है - चाहे वह कोविड-19 महामारी की शुरुआत हो, रूस-यूक्रेन संकट हो, या अब घर के करीब एक बड़े संघर्ष का बढ़ना हो।

तूतीकोरिन में बारहवीं कक्षा की एक छात्रा की हत्या

तमिलनाडु के विपक्षी दल ने यौन हमले का लगाया आरोप

तूतीकोरिन (तमिलनाडु)/भाषा। तूतीकोरिन में 12 वीं कक्षा की 17 वर्षीय एक छात्रा की हत्या के बाद तमिलनाडु में राजनीतिक तूफान खड़ा हो गया है। यह लड़की 10 मार्च को लापता हो गयी थी और 11 मार्च को वेदनाथम में उसके घर के पास उसका शव मिला। उसकी हत्या कर दी गयी थी। पुलिस सूत्रों के अनुसार, लड़की के माता-पिता ने 10 मार्च की रात को कुलथुर थाने में उसकी गुमशुदगी की शिकायत दर्ज कराई थी, क्योंकि वह घर नहीं लौटी थी। अगले दिन तलाश के दौरान ग्रामीणों को उसके घर के पास झाड़ियों में उसका शव नजर आया। पुलिस ने बताया कि लड़की का गला घोंट जाने के निशान था और शव को पोस्टमार्टम के लिए भेज दिया गया है। उसने कहा कि आगे की कार्रवाई के लिए पोस्टमार्टम रिपोर्ट का इंतजार किया जा रहा है। बृहस्पतिवार विपक्ष के नेता और ऑल इंडिया अन्ना द्रविड़ मुनेत्र कषगम (अन्नाद्रमुक) के महासचिव के पलानीसामी ने आरोप लगाया कि लड़की के साथ यौन उत्पीड़न हुआ था। उन्होंने यह भी दावा किया कि जब माता-पिता ने लड़की के लापता होने की सूचना दी, तो पुलिस ने ढिलाई बरती। पलानीसामी ने कहा, ''इस शर्मनाक कृत्य ने द्रमुक सरकार के चरित्र को उजागर कर दिया है।'' उन्होंने विरोध प्रदर्शन कर रहे पीड़ित परिवार के साथ बातचीत में सत्ताधारी पार्टी के विधायक की संलिप्तता पर भी सवाल उठाया। उन्होंने कहा, द्रमुक विधायक को शांति वार्ता करने क्यों आना चाहिए? क्या द्रमुक या द्रमुक सरकार कुछ छिपाने, मामले को कमजोर करने या किसी तरह से अपराधियों को बचाने की कोशिश कर रही है?

ईंधन संकट की आशंका से

देशभर में अफरा-तफरी, पेट्रोल पंपों और गैस एजेंसियों पर लंबी कतारें

दक्षिण भारत राष्ट्रमत
dakshinbharat.com

नई दिल्ली/भाषा। ईंधन की कथित कमी की खबरों के बीच बृहस्पतिवार को देशभर में लोग पेट्रोल पंपों और एलपीजी वितरण केंद्रों के बाहर लंबी कतारों में खड़े नजर आए, जिससे आम उपभोक्ताओं के साथ-साथ रेस्तरां, स्कूलों और खानपान सेवाओं का कामकाज भी प्रभावित होने लगा है। हालांकि सरकार ने संसद में कहा कि पश्चिम एशिया संकट के बावजूद पेट्रोल, डीजल और केरोसिन की कोई कमी नहीं है और यह अफवाहें फैलाने का समय नहीं है।

उत्तराखंड सरकार ने अस्पतालों और शैक्षणिक संस्थानों को प्राथमिकता के आधार पर वाणिज्यिक गैस सिलेंडर उपलब्ध कराने का निर्णय किया है और जरूरत पड़ने पर व्यावसायिक उपयोग के लिए लकड़ी उपलब्ध कराने की तैयारी भी शुरू कर दी है।

काफी हद तक वाणिज्यिक एलपीजी सिलेंडर पर निर्भर भोजनालयों और त्वरित सेवा रेस्तरां शृंखला में डर है कि आपूर्ति में पाबंदियां लगने से उनका कामकाज बाधित हो सकता है और लागत बढ़ सकती है।

देश के कई हिस्सों में कुछ भोजनालयों को अपना कामकाज सीमित करना पड़ा है।

'तमिलनाडु होटल्स एसोसिएशन' के अनुसार राज्य में छोटे और मध्यम रेस्तरां बुरी तरह प्रभावित हुए हैं। चेन्नई के कई प्रतिष्ठित भोजनालयों को घटते गैस भंडार को बचाने के लिए डोसा और 'फ्राइड राइस' जैसे ज्यादा गैस खपत वाले व्यंजन परोसना बंद करना पड़ा है।

दिल्ली के एक रेस्तरां मालिक ने 'पीटीआई-भाषा' से कहा, सिलेंडर की कमी है। दोगुनी कीमत करीब 1,500 से 2,000 रुपये देने पर भी सिलेंडर नहीं मिल पा रहा है। उन्होंने कहा कि उनके रेस्तरां को रोज कम से कम तीन सिलेंडरों की जरूरत पड़ती है। पश्चिम बंगाल में, अधिकारियों ने कहा रसोई गैस सिलेंडर की कथित कमी का असर राज्य के कई स्कूलों में मध्याह्न भोजन योजना पर भी पड़ने लगा है।

इसरो ने क्रायोजेनिक इंजन का समुद्र तल पर परीक्षण किया

दक्षिण भारत राष्ट्रमत
dakshinbharat.com

बेंगलूरु/भाषा। भारतीय अंतरिक्ष अनुसंधान संगठन (इसरो) ने बृहस्पतिवार को कहा कि उसने तमिलनाडु के महेंद्रगिरि स्थित अपने प्रणोदन परिसर में नोजल सुरक्षा प्रणाली और बहु-तत्व इंजाइटर का इस्तेमाल करते हुए 22 टन थ्रस्ट स्तर पर अपने क्रायोजेनिक इंजन (सीई20) का समुद्र तल पर सफलतापूर्वक परीक्षण (हॉट टेस्ट) किया है।

इससे पहले, नोजल सुरक्षा प्रणाली का इस्तेमाल करते हुए समुद्र तल परीक्षण 19 टन थ्रस्ट स्तर पर किए जा रहे थे। सीई20 क्रायोजेनिक इंजन 'लॉन्च व्हीकल मार्क-3' (एलवीएम3) के ऊपरी क्रायोजेनिक चरण को शक्ति प्रदान करता है।

इसरो ने अपनी वेबसाइट पर एक पोस्ट में कहा, ''एलवीएम3 वाहन की भार वहन क्षमता को बढ़ाने के लिए, एलवीएम3 के भावी मिशनों को उन्नत सी32 चरण के साथ संचालित करने की योजना है, जिसमें सीई20 इंजन के लिए 22 टन का थ्रस्ट होगा।

इस बात को ध्यान में रखते हुए, सीई20 इंजन का उड़ान स्वीकृति परीक्षण भी 22 टन थ्रस्ट स्तर पर आयोजित किया जाना आवश्यक है।''

ईरान को परमाणु हथियार हासिल करने से रोकना है : राष्ट्रपति ट्रंप

दक्षिण भारत राष्ट्रमत
dakshinbharat.com

वाशिंगटन/भाषा। अमेरिका के राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रंप ने बृहस्पतिवार को कहा कि ईरान में ''दमनकारी साम्राज्य'' को रोकना उनके लिए तेल की कीमतों से कहीं अधिक महत्वपूर्ण है।

अमेरिका और इजराइल द्वारा 28 फरवरी को ईरान पर हमला शुरू करने के बाद से तेल की कीमतें उच्च स्तर पर बनी हुई हैं। पश्चिम एशिया में जहाजों और तेल अवसंरचना पर ईरानी हमलों के कारण कच्चे तेल की कीमतें 100 अमेरिकी डॉलर प्रति बैरल के पार पहुंच गई हैं।

ट्रंप ने 'ट्रुथ सोशल' पर एक पोस्ट में कहा, ''अमेरिका दुनिया का सबसे बड़ा तेल उत्पादक देश है, इसलिए जब तेल की कीमतें बढ़ती हैं, तो हमें बहुत फायदा होता है। लेकिन राष्ट्रपति के रूप में मेरे लिए कहीं अधिक महत्वपूर्ण मुद्दा ईरान को परमाणु हथियार हासिल करने से रोकना है, ताकि वह पश्चिम एशिया और वास्तव में पूरी दुनिया को नष्ट न कर दे।''

ईरान पर हमले शुरू होने के बाद से विदेश मंत्री मार्को रुबियो समेत व्हाइट हाउस के अधिकारियों ने सांसदों के साथ वार्ता की हैं। हालांकि, ऐसी खबरें भी हैं कि ट्रंप युद्ध में हासिल की गई प्रगति को लेकर मिले-जुले संकेत दे रहे हैं।

व्हाइट हाउस की प्रेस सचिव कैरोलिन लेविट ने 'एक्स' पर एक पोस्ट में मीडिया पर 'ऑपरेशन एपिक फ्यूरी' के उद्देश्यों के बारे में मिली-जुली जानकारी फैलाने का आरोप लगाया।

ईरान के शीर्ष नेता ने हमलों को जारी रखने का संकल्प जताया

दुबई/एपी। अपने दिवंगत पिता की जगह संभालने के बाद ईरान के नए सर्वोच्च नेता अयातुल्ला मोजतबा खामेनेई ने पहला बयान जारी कर बृहस्पतिवार को कहा कि ईरान अपने खाड़ी अरब के पड़ोसियों पर हमले जारी रखेगा और होर्मुज जलडमरूमध्य को बंद करने के रणनीतिक लाभ का इस्तेमाल अमेरिका व इजराइल के खिलाफ दबाव के लिये करेगा।

सरकारी टेलीविजन पर शीर्ष नेता खामेनेई (56) का बयान एक समाचार प्रस्तोता द्वारा पढ़ा गया। खामेनेई कैमरे के सामने नहीं आए और इजराइली आकलन से पता चलता है कि युद्ध की शुरुआती गोलीबारी में वह घायल हो गए थे। उन्होंने एक स्कूल पर हुए हमले में मारे गए 165 लोगों समेत युद्ध में मारे गए लोगों का बदला लेने का संकल्प जताया।

इस बयान से उस युद्ध को जारी रखने की इच्छा का संकेत मिलता है जिसने वैश्विक ऊर्जा आपूर्ति, अंतरराष्ट्रीय यात्रा और खाड़ी अरब देशों को प्राप्त सापेक्ष सुरक्षा को बाधित किया है, और जिसने ईरान के नेतृत्व, सैन्य और बैलिस्टिक मिसाइल कार्यक्रम पर भी भारी असर डाला है। युद्ध शुरू होने के बाद से खामेनेई को सार्वजनिक रूप से नहीं देखा गया है। फारस की खाड़ी में पोत परिवहन और ऊर्जा अवसंरचना पर ईरान के लगातार हमलों के कारण बृहस्पतिवार को तेल की कीमतें फिर से 100 अमेरिकी डॉलर प्रति बैरल से ऊपर पहुंच गईं।

भारत होर्मुज से अपने व्यापारिक जहाजों के सुरक्षित मार्ग के लिए ईरान के संपर्क में

नई दिल्ली/भाषा। भारत होर्मुज जलडमरूमध्य के रणनीतिक जहाजरानी मार्ग से भारतीय ध्वज वाले लगभग 28 व्यापारिक जहाजों के लिए सुरक्षित मार्ग सुनिश्चित करने को लेकर ईरान के साथ संपर्क में है। सूत्रों ने यह जानकारी दी। अमेरिका और इजराइल के साथ संघर्ष के बीच ईरान ने इस मार्ग को आंशिक रूप से अवरुद्ध कर दिया है। विदेश मंत्रालय के अनुसार, मंगलवार को विदेश मंत्री एस जयशंकर और उनके ईरानी समकक्ष के बीच हुई बातचीत के दौरान जहाजरानी की सुरक्षा और भारत की ऊर्जा सुरक्षा से संबंधित मुद्दे उठे थे। पता चला है कि ईरान ने पिछले चार-पांच दिन में भारतीय ध्वज वाले किसी भी वाणिज्यिक टैंकर को होर्मुज जलडमरूमध्य से गुजरने की अनुमति नहीं दी है। पोत परिवहन मंत्रालय के एक वरिष्ठ अधिकारी के अनुसार, वर्तमान में होर्मुज जलडमरूमध्य के पश्चिम में भारतीय ध्वज वाले कुल 24 जहाज 677 भारतीय नाविकों के साथ मौजूद हैं, जबकि रणनीतिक जलमार्ग के पूर्व में 101 भारतीय नाविकों वाले चार

भारत ने हालिया पाक-तालिबान सीमा संघर्ष पर पाकिस्तान के 'बयान' को खारिज किया

नई दिल्ली/भाषा। भारत ने बृहस्पतिवार को पाकिस्तानी सैनिकों और तालिबान के बीच हालिया झड़पों में भारतीय हाथ होने के पाकिस्तान के आरोपों को खारिज करते हुए कहा कि किसी भी तरह की कहानी इस तथ्य को नहीं बदल सकती कि पाकिस्तान सीमा पार आतंकवाद का समर्थन करता है। भारत ने भारत-कनाडा यूरेनियम समझौते पर पाकिस्तान की आलोचना को भी खारिज कर दिया और उसकी प्रतिक्रिया को हास्यास्पद और उसके बेहद खराब प्रदर्शन से ध्यान भटकाने का प्रयास बताया। पाकिस्तान-तालिबान सीमा विवाद से संबंधित पाक के आरोपों पर विदेश मंत्रालय के प्रवक्ता रणधीर जायसवाल ने कहा कि अपनी गलतियों के लिए भारत को दोषी ठहराना पाकिस्तान की आदत बन गई है। जायसवाल ने अपनी साप्ताहिक मीडिया ब्रीफिंग में कहा, मैं यह कहना चाहूंगा कि हम ऐसे निराधार आरोपों को खारिज करते हैं। अपनी गलतियों के लिए भारत को दोषी ठहराना पाकिस्तान की आदत सी बन गई है।

'ताजमहल का नाम बदलने का कोई प्रस्ताव नहीं'

नई दिल्ली/भाषा। केंद्रीय संस्कृति मंत्री गजेंद्र सिंह शेखावत ने बृहस्पतिवार को राज्यसभा में कहा कि ताजमहल का नाम बदलने का कोई प्रस्ताव सरकार के विचाराधीन नहीं है। उच्च सदन में प्रश्नकाल के दौरान माकपा के जॉन ब्रिटास ने पूरक प्रश्न पूछा कि क्या ताजमहल का नाम बदलने की सरकार की कोई योजना है। इस पर शेखावत ने कहा ''नाम बदलने का मंत्रालय का कोई विचार नहीं है। उन्होंने सदन को बताया कि मोदी सरकार ने 10 वर्षों में ऐतिहासिक स्थलों के उत्खनन पर पिछली सरकारों के 10 वर्षों की तुलना में दोगुनी राशि खर्च की है। तृणमूल कांग्रेस के सुखेंदु शेखर राय ने जानना चाहा कि क्या पश्चिम बंगाल में और ऐतिहासिक स्थलों का उत्खनन करने की योजना है। इस पर शेखावत ने कहा कि उत्खनन एक सतत प्रक्रिया है और यह उपलब्ध मानव संसाधनों पर निर्भर करता है।

12-03-2026 सूर्यास्त 6:19 बजे	13-03-2026 सूर्योदय 6:17 बजे

BSE	NSE
76,034.42 (-829.29)	23,639.15 (-227.70)

सोना	चांदी
16,703 रु. (24 कैरेट) प्रति ग्राम	273,000 रु. प्रति किलो

मिशन मंडेला
दक्षिण भारत राष्ट्रमत
दक्षिण भारत का लोकप्रिय हिन्दी दैनिक
epaper.dakshinbharat.com

कैलाश मण्डेला, मो. 9828233434

हाजिर हो

जनप्रतिनिधि का दायित्व यही,
कर्तव्यों पर वे रहे स्थित।
बहुमूल्य वोट देकर उनको,
हमने चाहा जन-जन का हित।
संसद है पूजा स्थल उनका,
जब खुले रहे तब हाजिर नित।
वर्ना पूछेगी जनता अब,
क्यों रहे सदन से अनुपस्थित।।

केंद्रीय सहायता प्राप्त योजनाओं में मिलने वाली राशि का समयसीमा में उपयोग हो : शर्मा

दक्षिण भारत राष्ट्रमत
dakshinbharat.com

जयपुर। राजस्थान के मुख्यमंत्री भजनलाल शर्मा ने बृहस्पतिवार को कहा कि केंद्रीय सहायता प्राप्त योजनाओं में मिलने वाली राशि का तय समयसीमा के भीतर उपयोग किया जाए ताकि राज्य को केन्द्र से निधि हस्तांतरण सतत रूप से सुनिश्चित हो। शर्मा मुख्यमंत्री कार्यालय में केन्द्र सहायता प्राप्त योजनाओं के संबंध में बैठक की अध्यक्षता कर रहे थे। उन्होंने कहा कि ये योजनाएं राज्य के सर्वांगीण विकास और महिला, युवा, किसान, मजदूर सहित सभी वर्गों के उत्थान का प्रमुख माध्यम हैं और शहरी एवं ग्रामीण क्षेत्रों के बुनियादी सुधार में इन योजनाओं की बड़ी भूमिका है।

बयान के अनुसार, मुख्यमंत्री ने योजनाओं के क्रियान्वयन, प्रगति तथा लाभार्थियों तक पहुंच की स्थिति का जायजा लेते हुए अधिकारियों को निरंतर निगरानी के निर्देश दिए।

अधिकारियों ने मुख्यमंत्री को चिकित्सा एवं स्वास्थ्य (राष्ट्रीय स्वास्थ्य मिशन), चिकित्सा शिक्षा, स्वायत्त शासन, स्कूल शिक्षा, कृषि, ग्रामीण विकास, पंचायती राज, सामाजिक न्याय एवं अधिकारिता, समेकित बाल विकास सेवाएं विभागों के अंतर्गत संचालित विभिन्न केन्द्रीय सहायता प्राप्त योजनाओं की वित्तीय प्रगति के संबंध में अवगत कराया।

शिक्षा मंत्री दिलावर ने आरटीई के तहत निजी विद्यालयों में नि:शुल्क प्रवेश की लॉटरी जारी की

दक्षिण भारत राष्ट्रमत
dakshinbharat.com

जयपुर। राजस्थान के शिक्षा मंत्री मदन दिलावर ने बृहस्पतिवार को शैक्षिक सत्र 202627 के लिए शिक्षा का अधिकार (आरटीई) अधिनियम के तहत निजी विद्यालयों में नि:शुल्क प्रवेश की ऑनलाइन लॉटरी जारी की। 'शिक्षा संकुल' में आयोजित कार्यक्रम से ऑनलाइन जुड़ते हुए शिक्षा मंत्री ने कहा कि आरटीई के तहत प्रवेश को पारदर्शी एवं व्यवस्थित तरीके से संचालित किया जा रहा है, जिससे शिक्षा के अधिकार का लाभ समाज के वंचित वर्गों तक पहुंच सके। इस मौके पर राज्य परियोजना निदेशक एवं आयुक्त अनुपमा जोरवाल तथा निदेशक प्रारंभिक एवं माध्यमिक शिक्षा सीताराम जाट भी कार्यक्रम में ऑनलाइन माध्यम से जुड़े।

जोरवाल ने बताया कि इस वर्ष आरटीई के तहत निजी विद्यालयों में प्रवेश के लिए छह लाख 25 हजार 146 विद्यार्थियों ने आवेदन किया। उन्होंने बताया कि इनमें तीन

लाख 29 हजार 165 बालक, दो लाख 95 हजार 970 बालिकाएं तथा 11 ट्रांसजेंडर शामिल हैं। जोरवाल ने बताया कि अभिभावकों को प्रवेश के लिए अधिकतम पांच विद्यालयों का चयन करने का विकल्प दिया गया था, जिसके कारण 19 लाख 92 हजार 357 ऑनलाइन आवेदन प्राप्त हुए।

उन्होंने बताया कि आवेदनों के आधार पर ऑनलाइन लॉटरी के माध्यम से विद्यार्थियों का प्राथमिकता क्रम निर्धारित किया गया है, जिसके आधार पर आगामी चरणों में विद्यालय आवंटन की प्रक्रिया पूरी की जाएगी। अधिकारियों ने बताया कि अभिभावक 16 मार्च तक विद्यालय चयन क्रम (चॉइस फिलिंग) में परिवर्तन कर सकेंगे। इसके बाद 17 मार्च को प्रथम चरण का विद्यालय आवंटन किया जाएगा। 17 मार्च से 25 मार्च तक दस्तावेज सत्यापन की प्रक्रिया पूरी होगी।

अधिकारियों ने बताया कि सात अप्रैल को द्वितीय चरण का आवंटन किया जाएगा। आवश्यक होने पर अंतिम चरण में शेष रिक्त सीटों के लिए आवंटन आगे बढ़ाया जाएगा। इस चरण में 22 अप्रैल से आवेदन एवं दस्तावेज सत्यापन शुरू होगा।

राहुल गांधी ने भावी चुनौतियों को लेकर सरकार को पहले ही आगाह किया था : अशोक गहलोत

दक्षिण भारत राष्ट्रमत
dakshinbharat.com

जयपुर। राजस्थान के पूर्व मुख्यमंत्री अशोक गहलोत ने बृहस्पतिवार को कहा कि कांग्रेस नेता राहुल गांधी ने देश और केंद्र सरकार को आने वाली चुनौतियों के बारे में बार-बार आगाह किया लेकिन उनकी चेतावनियों को नजरअंदाज कर दिया गया। गहलोत ने 'एक्स' पर एक पोस्ट में कहा, राहुल गांधी ने देश के प्रति अपनी जिम्मेदारी निभाते हुए समय-समय पर देश और सरकार को भावी चुनौतियों के बारे में आगाह किया है, लेकिन सरकार ने समय पर उन पर ध्यान नहीं दिया जिसका खामियाजा देश को उठाना पड़ा।

उन्होंने कहा कि गांधी ने कई मुद्दों पर पहले ही चेताया था जिसमें कोरोना वायरस का प्रकोप, चीन द्वारा कथित अतिक्रमण, नोटबंदी और जीएसटी का आर्थिक असर, जातिगत जनगणना, अमेरिका के साथ व्यापार समझौते और पश्चिम एशिया में संकट से भारत पर पड़ने वाला आर्थिक असर शामिल हैं। गहलोत ने कहा, उन (राहुल गांधी) का हर अनुमान समय के साथ सच साबित हुआ है। उन्होंने कहा कि राहुल गांधी अब भारतीय नागरिकों के डेटा की सुरक्षा को लेकर सरकार को लगातार सचेत कर रहे हैं। कांग्रेस नेता ने दावा किया, चीनी और अमेरिकी कंपनियां भारत का डेटा अपने देशों में अलग-अलग तरीकों से जमा कर रही हैं जिससे भविष्य में इसका दुरुपयोग हो सकता है। दुर्भाग्य से, केंद्र की नरेन्द्र मोदी सरकार अब भी इस पर ध्यान नहीं दे रही।

गहलोत ने कहा कि राहुल गांधी की दूरदर्शी सोच और सबको साथ लेकर चलने के उनके दृष्टिकोण की आज देश को जरूरत है। उन्होंने कहा कि लोकसभा में नेता प्रतिपक्ष के सुझावों पर ध्यान देने के बजाय मोदी सरकार उन पर झूठे आरोप लगाने में लगी हुई है।

राजस्थान में दो-तीन दिन बादल छाए रहने व तापमान में गिरावट का अनुमान

जयपुर। पश्चिमी विक्षोभ के असर से राजस्थान में आगामी दो-तीन दिन आंशिक रूप से बादल छाए रहने का अनुमान है जिससे तापमान में गिरावट आ सकती है। मौसम विभाग ने बृहस्पतिवार को यह जानकारी दी। इसके अनुसार, राज्य में एक नए पश्चिमी विक्षोभ के सक्रिय होने से आगामी 2-3 दिन आंशिक बादल छाए रहने तथा तापमान में 2-3 डिग्री गिरावट होने की संभावना है। वहीं, 14-15 मार्च को अजमेर, जयपुर, भरतपुर संभाग व शेखावाटी क्षेत्र के जिलों के साथ-साथ गंगानगर व हनुमानगढ़ जिलों तथा आसपास के इलाकों में कहीं-कहीं मेघगर्जन के साथ बारिश हो सकती है। विभाग के मुताबिक, इसी तरह एक और नया पश्चिमी विक्षोभ 19-21 मार्च के दौरान सक्रिय होने तथा कहीं-कहीं आंधी चलने और बारिश होने का अनुमान है। इसके मुताबिक, बृहस्पतिवार सुबह तक के 24 घंटों में राज्य में मौसम शुष्क रहा।

उद्योगों के लिए बेहतर माहौल तैयार कर रही राजस्थान सरकार : भजनलाल

दक्षिण भारत राष्ट्रमत
dakshinbharat.com

जयपुर। राजस्थान के मुख्यमंत्री भजनलाल शर्मा ने बृहस्पतिवार को कहा कि राज्य में विकास की अपार संभावनाएं हैं और सरकार ने यहां उद्योगों के लिए बेहतर माहौल तैयार किया है। मुख्यमंत्री यहां भारतीय उद्योग परिसंघ (सीआईआई) राजस्थान के वार्षिक सत्र को संबोधित कर रहे थे। उन्होंने कहा कि राज्य सरकार ने निवेशपरक वातावरण बनाने व नवाचारों को प्रोत्साहन देने सहित विभिन्न ऐसे निर्णय किए हैं जिससे राज्य में उद्योगों के लिए बेहतर वातावरण तैयार हुआ है।

उन्होंने कहा, हम राजस्थान की अर्थव्यवस्था को 2047 तक 4.3 ट्रिलियन की अर्थव्यवस्था बनाने के लक्ष्य के साथ काम कर रहे हैं। आधिकारिक बयान के अनुसार, शर्मा ने आश्वासन दिया कि राजस्थान में निवेश करने वाले उद्यमियों को किसी भी तरह की परेशानी नहीं आने दी जाएगी तथा उनकी सभी समस्याओं का त्वरित समाधान सुनिश्चित किया जाएगा। मुख्यमंत्री ने कहा, हमारी सरकार भविष्य की आवश्यकताओं को देखते हुए राज्य में योजनाबद्ध तरीके से विकास कार्यों को आगे बढ़ा रही है। विकसित राजस्थान 2047 के लक्ष्य को आधार मानकर ग्राम पंचायतों से लेकर नगर निकायों तक के समग्र विकास का खाका तैयार किया जा रहा है। शर्मा ने कहा कि प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी ने 'विकसित भारत 2047' की परिकल्पना दी है जिसे साकार करने में राजस्थान भी अहम भूमिका निभाएगा।

गहलोत ने जयपुर में दांडी मार्च स्मृति पदयात्रा में भाग लिया

दक्षिण भारत राष्ट्रमत
dakshinbharat.com

जयपुर। राजस्थान के पूर्व मुख्यमंत्री अशोक गहलोत ने बृहस्पतिवार को जयपुर में दांडी मार्च स्मृति पदयात्रा में भाग लिया। 'भारत सेवा संस्थान' द्वारा आयोजित दांडी मार्च स्मृति पदयात्रा जयपुर में शहीद स्मारक से गांधी वाटिका तक निकाली गई। गहलोत गांधीवादी कार्यकर्ताओं और आम लोगों के साथ इसमें शामिल हुए और पैदल चले।

पदयात्रा में शामिल लोगों ने राष्ट्रीय ध्वज तिरंगा ले रखा था। महात्मा गांधी की वेशभूषा वाला एक व्यक्ति भी इस पदयात्रा में शामिल हुआ।

गहलोत ने कहा, दांडी मार्च केवल नमक कानून के विरुद्ध आंदोलन नहीं था, बल्कि अन्याय और दमनकारी नीतियों के खिलाफ दुनिया का सबसे बड़ा अहिंसक प्रतिरोध था।

उन्होंने कहा कि आज जयपुर में 'भारत सेवा संस्थान' द्वारा आयोजित दांडी मार्च स्मृति पदयात्रा में शामिल होकर राष्ट्रपिता महात्मा गांधी को विनम्रतापूर्वक नमन किया। पूर्व मुख्यमंत्री के अनुसार, लोकतंत्र के समक्ष नयी-नयी चुनौतियां खड़ी हो रही हैं, ऐसे समय में बापू के सत्य, अहिंसा और जनशक्ति के गांधीवादी मूल्यों को फिर से आत्मसात करना ही लोकतांत्रिक आदर्शों को सशक्त करने का सबसे प्रभावी मार्ग है। महात्मा गांधी ने सविनय अवज्ञा आंदोलन के तहत 12 मार्च 1930 को दांडी मार्च शुरू किया था। इसे दांडी सत्याग्रह के रूप में भी जाना जाता है।

युवक ने पत्नी, बेटी की हत्या के बाद पुलिस के सामने आत्मसमर्पण किया

जयपुर। जयपुर जिले में एक युवक ने अपनी पत्नी व आठ साल की बेटी की कथित तौर पर हत्या करने के बाद पुलिस के सामने आत्मसमर्पण कर दिया। पुलिस ने बृहस्पतिवार को यह जानकारी दी। पुलिस के अनुसार यह यह घटना बुधवार देर रात करीब एक बजे मोखमपुरा थाना क्षेत्र के बिचून गांव में हुई। दूदू के पुलिस उपाधीक्षक दीपक खंडेलवाल ने बताया कि आरोपी सुखजीत ने अपनी पत्नी सरोज देवी (35) पर तलवार से हमला किया और अपनी बेटी वंशिका (आठ) का गला घोंट दिया। दोनों की मौके पर ही मौत हो गई। वारदात के बाद आरोपी घर से निकल गया और बाद में मोखमपुरा थाने पहुंचा और आत्मसमर्पण कर दिया। उसने पुलिस को बताया कि उसने अपनी पत्नी और बेटी की हत्या कर दी है। पुलिस ने शवों को कब्जे में लेकर पोस्टमॉर्टम के लिए रखवा दिया। पुलिस के अनुसार टीम ने मौके से सबूत जुटाए हैं। शुरुआती जांच के बाद पुलिस ने कहा कि प्रतीत होता है कि आर्थिक तंगी के कारण व्यक्ति ने ये हत्याएं कीं। आरोपी दिहाड़ी पर काम करता है और परिवार के साथ गांव में अपने घर में रहता था।

पुलिस कांस्टेबल 20 हजार रुपये रिश्वत लेते गिरफ्तार

जयपुर। भ्रष्टाचार निरोधक ब्यूरो (एसीबी) की टीम ने बुधवार देर रात को उदयपुर में एक पुलिस कांस्टेबल को 20,000 रुपये की कथित रिश्वत लेते गिरफ्तार किया। अधिकारियों ने यह जानकारी दी। अधिकारियों के अनुसार उदयपुर शहर के पुलिस उपाधीक्षक की विशेष टीम में तैनात कांस्टेबल नागेंद्र सिंह को रिश्वत लेते हुए रंगे हाथ पकड़ा गया। एसीबी के महानिदेशक गोविन्द गुप्ता ने एक बयान में बताया कि परिवादी ने शिकायत दी थी कि पुलिसकर्मी नागेन्द्र सिंह, शक्ति सिंह, अर्जुन सिंह व अनिल मीणा आए दिन एकलिंगपुरा अंडरपास के पास स्थित उसके कार सर्विस गैराज की जांच कर रहे हैं और उसे डरा धमकाकर परेशान कर रहे हैं। वे उसके खिलाफ कार्रवाई नहीं करने और परेशान नहीं करने के एवज में 50,000 रुपये मासिक रिश्वत की राशि की मांग कर रहे हैं। बाद में वे 25,000 रुपये की रिश्वत पर मान गए। ब्यूरो की टीम ने शिकायत के सत्यापन के बाद बुधवार रात को आरोपी कांस्टेबल नागेन्द्र सिंह को परिवादी से 20,000 रुपये रिश्वत लेते रंगे हाथ गिरफ्तार कर लिया। विशेष टीम के अन्य आरोपी सहायक उपनिरीक्षक शक्ति सिंह, हेड कांस्टेबल अर्जुन सिंह व कांस्टेबल अनिल की तलाश की जा रही है।

जयपुर में हड्डी के कैंसर से पीड़ित बच्चों को 'ग्रोइंग इम्प्लांट' से बार-बार सर्जरी से राहत

जयपुर। बच्चों में होने वाले हड्डी के कैंसर के उपचार के लिए 'ग्रोइंग इम्प्लांट' एक आधुनिक तकनीक के रूप में सामने आया है। हड्डियों के कैंसर के कारण बच्चों की हड्डी का हिस्सा निकालना पड़ता है, लेकिन अब विशेष प्रकार के 'इम्प्लांट' की मदद से हड्डियों की लंबाई को बच्चे की बढ़ती उम्र के अनुसार समायोजित किया जा सकता है। जयपुर में भगवान महावीर कैंसर अस्पताल के हड्डी शल्य चिकित्सक डॉ. प्रवीण गुप्ता ने बताया कि बच्चों की हड्डियां लगातार बढ़ती रहती हैं, इसलिए सामान्य 'इम्प्लांट' कई बार लंबे समय तक उपयुक्त नहीं रहते। इसी समस्या के समाधान के लिए 'ग्रोइंग इम्प्लांट' विकसित किए गए हैं, जो बच्चे की बढ़ती उम्र के साथ उनकी हड्डियों की लंबाई को संतुलित बनाए रखने में मदद करते हैं। उन्होंने बताया कि 'इम्प्लांट' मुख्य रूप से दो प्रकार से लगाए जाते हैं। पहला वह जिसमें बच्चे के शरीर में लगाए गए 'इम्प्लांट' की लंबाई समय-समय पर ऑपरेशन के माध्यम से बढ़ाई जाती है। आमतौर पर लगभग हर छह महीने में एक छोटा ऑपरेशन कर 'इम्प्लांट' की लंबाई बढ़ाई जाती है, ताकि वह बच्चे की प्राकृतिक वृद्धि के अनुरूप रहे। यह प्रक्रिया आमतौर पर 13 वर्ष की आयु तक जारी रहती है। डॉ. प्रवीण ने बताया कि दूसरा और आधुनिक प्रकार का 'इम्प्लांट' रिमोट कंट्रोल तकनीक पर आधारित होता है। इसमें बार-बार ऑपरेशन की आवश्यकता नहीं पड़ती।

प्रदेश में घरेलू रसोई गैस आपूर्ति हेतु पर्याप्त स्टॉक उपलब्ध, आमजन को घबराने की आवश्यकता नहीं : श्रीनिवास

दक्षिण भारत राष्ट्रमत
dakshinbharat.com

जयपुर। मुख्यमंत्री भजनलाल शर्मा द्वारा घरेलू रसोई गैस की आपूर्ति के संबंध में दिए निर्देशों की अनुपालना में मुख्य सचिव वी. श्रीनिवास ने बुधवार को सचिवालय में प्रदेश के सभी जिला कलेक्टर्स, पुलिस अधीक्षकों, विभिन्न विभागों के आला अधिकारियों तथा ऑयल मार्केटिंग कंपनियों के प्रतिनिधियों के साथ वीसी के माध्यम से एक महत्वपूर्ण हाइब्रिड बैठक ली जिसमें कलेक्टर और एसपी वीसी के माध्यम से जुड़े।

मुख्य सचिव ने कहा कि केंद्र सरकार के गत 9 मार्च के एलपीजी कंट्रोल ऑर्डर के माध्यम से व्यावसायिक गैस सिलेंडरों की आपूर्ति पर रोक लगा दी गई है परंतु घरेलू उपभोक्ताओं को रसोई गैस आपूर्ति सुचारू रूप से की जा रही है। उन्होंने कहा कि घरेलू गैस सिलेंडरों की आपूर्ति हेतु प्रदेश में पर्याप्त स्टॉक उपलब्ध है। इस संबंध में घरेलू उपभोक्ताओं को चिंतित होने की कोई आवश्यकता नहीं है। उन्होंने कहा कि इसके साथ ही अस्पतालों, शैक्षणिक संस्थानों में रसोई गैस की निर्बाध एवं नियमित आपूर्ति सुनिश्चित की जा रही है। उन्होंने अधिकारियों को प्रदेश में संचालित सभी अन्नपूर्णा रसोइयों में भी रसोई गैस का उचित प्रबंध करने हेतु निर्देशित किया।

बैठक में मुख्य सचिव ने घरेलू गैस सिलेंडर आपूर्ति प्रक्रिया की प्रभावी मॉनिटरिंग हेतु राज्य एवं जिला स्तर पर निगरानी समितियां बनाने के दिशा निर्देश दिए। उन्होंने कहा कि इन समितियों में पुलिस और खाद्य एवं नागरिक आपूर्ति विभागों के अधिकारी एवं ऑयल मार्केटिंग कंपनियों के प्रतिनिधि शामिल रहेंगे। यह कमेटी राज्य एवं जिला स्तर पर मांग एवं आपूर्ति के अनुसार घरेलू गैस सिलेंडर की स्टॉकिंग, आवाजाही एवं वितरण प्रक्रिया की प्रभावी मॉनिटरिंग करेगी तथा घरेलू गैस सिलेंडरों की कालाबाजारी एवं अन्य उद्देश्य के लिए इस्तेमाल के विरुद्ध प्रभावी रोकथाम सुनिश्चित करेगी।

मुख्य सचिव ने सभी जिलाधिकारियों को निर्देशित दिए कि पुलिस के हेल्पलाइन नंबर 112 पर एलपीजी सिलेंडरों की कालाबाजारी, अवैध भंडारण आदि के संबंध में आई शिकायतों का त्वरित एवं प्रभावी संज्ञान लेकर कार्रवाई करें। साथ ही, राजस्थान संपर्क की हेल्पलाइन नंबर 181 पर भी गैस सिलेंडर की कालाबाजारी की शिकायत की जा सकेगी। उपभोक्ता मामले विभाग के हेल्पलाइन नंबर 14435 पर भी इस संबंध में शिकायत दर्ज की जा सकेगी। उन्होंने कहा कि मुख्यमंत्री के निर्देशानुसार घरेलू रसोई गैस सिलेंडर की कालाबाजारी एवं अन्य उद्देश्य के लिए इस्तेमाल रोकने हेतु जिला एवं राज्य स्तर पर गठित कंट्रोल रूम निरंतर कार्य करेंगे।

सरिस्का अभयारण्य में तीन बाघ शावक का जन्म

दक्षिण भारत राष्ट्रमत
dakshinbharat.com

जयपुर। राजस्थान के सरिस्का बाघ अभयारण्य में एक बाघिन ने तीन शावकों को जन्म दिया है जिससे अभयारण्य में बाघों की कुल संख्या 53 हो गई है। अधिकारियों ने बृहस्पतिवार को यह जानकारी दी। अधिकारियों ने बताया कि कैमरे में कैद तस्वीरों एवं वीडियो में सरिस्का के अकबरपुर रेंज में बाघिन एसटी-17 को तीन शावकों के साथ देखा गया है। उन्होंने बताया कि बाघिन और उसके शावकों की हलचल और स्वास्थ्य पहली नजर में सामान्य लग रहा है।

अधिकारियों ने कहा कि इस बाघिन एसटी-17 ने पहले भी शावकों को जन्म दिया था और यह उसका दूसरा सफल प्रसव है। उन्होंने कहा कि निगरानी दलों को बाघिन और उसके शावकों की गतिविधि पर पर कड़ी नजर रखने का निर्देश दिया गया है। वन मंत्री संजय शर्मा ने इसे राज्य में वन्य जीव संरक्षण के लिए अच्छी खबर बताया।

शर्मा ने कहा, सरिस्का बाघ अभयारण्य से खुश खबरी है। सरिस्का के अकबरपुर रेंज में बाघिन एसटी-17 तीन शावकों की मां बनी हैं। बाघों का बढ़ता कुनबा राजस्थान के वन्यजीव संरक्षण की सफलता की कहानी बयान करता है। राजस्थान सरकार वन और वन्यजीव संरक्षण के लिए हमेशा प्रतिबद्ध है। वन्यजीव विशेषज्ञों ने कहा कि बाघिन एसटी-17 का तीन और शावकों की मां बनना इस अभयारण्य में बाघों के संरक्षण एवं पुनर्वास की कोशिशों की सफलता को दिखाता है।

चेटीचण्ड, रामनवमी और महावीर जयंती हमारे महत्वपूर्ण पर्व : देवनानी

जयपुर/दक्षिण भारत। विधानसभा अध्यक्ष वासुदेव देवनानी ने कहा कि आगामी सप्ताह से शुरू होने वाले चेटीचण्ड, रामनवमी और महावीर जयंती के धार्मिक आयोजन हमारे प्रमुख पर्व है। इन अवसरों पर विभिन्न संस्थाओं की ओर से जुलूस निकाले जाएंगे। विभिन्न आयोजन भी होंगे। से में जिला प्रशासन, पुलिस और सभी संबंधित विभाग 16 मार्च तक अपनी तैयारियां पूरी करें। इसमें किसी तरह की लापरवाही नहीं की जाए। विधानसभा अध्यक्ष वासुदेव देवनानी ने बुधवार को अजमेर कलेक्ट्रेट सभागार में चेटीचण्ड, रामनवमी व महावीर जयंती पर्वों को लेकर तैयारियों की समीक्षा की। उन्होंने कहा कि अजमेर धार्मिक, सांस्कृतिक एवं आध्यात्मिक रूप से समृद्ध परम्पराओं को धारण किए हुए है। इन्हीं के अन्तर्गत आगामी चेटीचण्ड पर्व झूलेलाल जयन्ती, रामनवमी पर्व एवं महावीर जयन्ती पर्व पर विशाल शोभायात्राएं एवं जुलूस कार्यक्रम आयोजित होंगे। इनकी प्रशासनिक व्यवस्थाएं सुनिश्चित करने के लिए समस्त विभागों को अपने दायित्व आगामी 16 मार्च तक पूर्ण करें। उनकी समीक्षा 17 मार्च को मौके पर ही की जाएगी। बैठक में आयोजकों एवं प्रशासनिक अधिकारियों के साथ विस्तार से चर्चा कर रूट निर्धारित किए गए।

बैठक में देवनानी ने कहा कि प्रशासन द्वारा जन भावनाओं को ध्यान में रखते हुए शानदार व्यवस्थाएं की जाए।

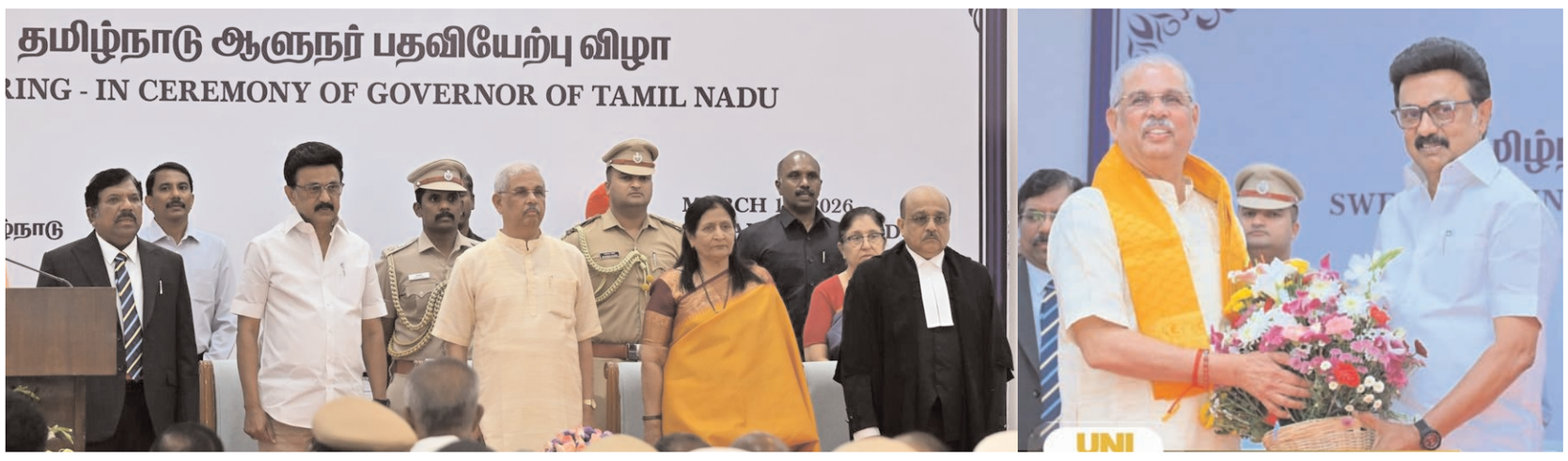

राजेंद्र विश्वनाथ आर्लेकर ने तमिलनाडु के राज्यपाल पद की शपथ ली

दक्षिण भारत राष्ट्रमत
dakshinbharat.com

चेन्नई। राजेंद्र विश्वनाथ आर्लेकर ने बृहस्पतिवार को लोक भवन में आयोजित एक सादे समारोह में तमिलनाडु के राज्यपाल पद की शपथ ली। आर्लेकर के लोक भवन के भारतीयार मंडपम पहुंचने पर, तमिलनाडु के मुख्यमंत्री एम. के. स्टालिन और मद्रास उच्च न्यायालय के मुख्य न्यायाधीश सुश्रुत अरविंद धर्माधिकारी ने गर्मजोशी से उनका स्वागत किया। केरल के मौजूदा राज्यपाल आर्लेकर तमिलनाडु के 27वें राज्यपाल हैं।

मुख्य सचिव एन. मुरुगनंदम ने नियुक्ति पत्र पढ़कर सुनाया और न्यायमूर्ति धर्माधिकारी ने पद की शपथ दिलाई। तमिलनाडु विधानसभा के अध्यक्ष एम. अप्पावु, राज्य के मंत्री के. एन. नेहरू, ई. वी. वेलू, पी. के. शेखर बाबू एवं एस. रघुपति और केंद्रीय राज्य मंत्री एल. मुरुगन तथा अन्य शीर्ष अधिकारी भी इस दौरान उपस्थित थे। चेन्नई में सशस्त्र बलों के प्रमुख, केंद्र एवं राज्य सरकारों के वरिष्ठ अधिकारी, भाजपा नेता नैनार नागेंद्रन और तमिलसाई सुंदरराजन सहित कई गणमान्य हस्तियां इस अवसर पर उपस्थित रहीं। राज्यपाल की पत्नी अनघा आर्लेकर भी मंच पर मौजूद थीं।

मुख्यमंत्री एम. के. स्टालिन ने अपने मंत्रिपरिषद का राज्यपाल से परिचय कराया। तमिलनाडु पुलिस ने आर्लेकर को औपचारिक 'गार्ड ऑफ ऑनर' दिया।

आर्लेकर (71) गोवा के मूल निवासी हैं और 2003-2007 के दौरान वह भारतीय जनता पार्टी (भाजपा) की गोवा इकाई के अध्यक्ष रहे। पूर्व विधायक आर्लेकर 2012 से 2017 तक गोवा विधानसभा अध्यक्ष भी रह चुके हैं। वह गोवा में वन एवं पर्यावरण और पंचायती राज मंत्री के रूप में भी सेवाएं दे चुके हैं। आर्लेकर हिमाचल प्रदेश और बिहार के पूर्व राज्यपाल भी हैं। तमिलनाडु के 26वें राज्यपाल रहे आर एन रवि और सत्तारूढ़ द्रविड़ मुनेत्र कषगम (द्रमुक) के बीच हमेशा टकराव की स्थिति रही थी। रवि ने बृहस्पतिवार को पश्चिम बंगाल के राज्यपाल के रूप में शपथ ली।

बैंक ऑफ बड़ौदा ने 50 करोड़ डॉलर का ऋण जुटाया

दक्षिण भारत राष्ट्रमत
dakshinbharat.com

नई दिल्ली/चेन्नई। बैंक ऑफ बड़ौदा ने गिफ्ट सिटी स्थित अपने अंतरराष्ट्रीय वित्तीय सेवा केंद्र (आईएफएससी) बैंकिंग इकाई के माध्यम से 50 करोड़ डॉलर का पांच साल का ऋण जुटाया है। इस ऋण में एशिया के प्रमुख बाजारों के निवेशकों ने भागीदारी की। यह करीब एक वर्ष के अंतराल के बाद वैश्विक कर्जदाताओं के समूह के ऋण बाजार में बैंक की वापसी को दर्शाता है। इस तरह का ऋण एक ऐसी वित्तीय व्यवस्था है जिसमें ऋणदाताओं का एक समूह (जिसे सिंडिकेट कहा जाता है) मिलकर एक ही उधारकर्ता को बड़ी राशि का ऋण प्रदान करता है।

बैंक ने बृस्पतिवार को बयान में कहा कि इस सुविधा से प्राप्त राशि का उपयोग सामान्य बैंकिंग और कॉरपोरेट उद्देश्यों के लिए किया जाएगा। इस लेनदेन में एशिया के प्रमुख बाजारों के 13 निवेशकों ने भाग लिया। इनमें ताइवान, दक्षिण कोरिया, जापान और सिंगापुर के निवेशक शामिल हैं। बैंक के अनुसार, इससे यह संकेत मिलता है कि वैश्विक ब्याज दरों के बदलते माहौल के बावजूद निवेशकों की मांग और रुचि मजबूत बनी हुई है। बैंक ऑफ बड़ौदा के प्रबंध निदेशक एवं मुख्य कार्यपालक अधिकारी (सीईओ) देबदत्त चंद ने कहा कि यह सफल लेनदेन बैंक की सावधानीपूर्ण वित्तीय प्रबंधन तथा दीर्घकालिक रणनीतिक दिशा पर वैश्विक संस्थानों के भरोसे को मजबूत करता है।

तमिलनाडु में पेट्रोल पंपों पर लंबी कतारें, वाणिज्यिक एलपीजी की कमी से होटल उद्योग प्रभावित

दक्षिण भारत राष्ट्रमत
dakshinbharat.com

चेन्नई। तमिलनाडु के कई शहरों में बृहस्पतिवार को पेट्रोल पंपों के बाहर सुबह से ही वाहनों की लंबी कतारें लग गईं, क्योंकि वाणिज्यिक एलपीजी सिलेंडर के गहराते संकट के बीच लोगों ने घबराहट में वाहनों में भी ईंधन भरवाना शुरू कर दिया।

व्यावसायिक एलपीजी की कमी के कारण राज्य के अनेक भोजनालय बंद होने या व्यंजन सूची में भारी कटौती करने को मजबूर हो गए हैं।

हालांकि तेल विपणन कंपनियों और राज्य सरकार के अधिकारियों ने बार-बार आश्वासन दिया है कि पेट्रोल या डीजल की कोई कमी नहीं है, लेकिन वाणिज्यिक गैस सिलेंडर की आपूर्ति प्रभावित होने से लोगों में चिंता बढ़ गई है। चेन्नई, कोयंबटूर और मदुरै के निवासियों ने बताया

कि उन्हें अपने वाहनों में ईंधन भरवाने के लिए 45 मिनट से अधिक इंतजार करना पड़ा।

कुछ लोग नियमों के विरुद्ध अतिरिक्त कंटेनर भी लेकर आए। चेन्नई के उपनगरीय ताम्बरम में एक वरिष्ठ नागरिक ने नाम न उजागर करने की शर्त पर बताया कि इलाके के दो पेट्रोल पंपों पर लंबी कतारें हैं, ऐसे में उन्हें अपने दोपहिया वाहन में बिना ईंधन भरवाए ही लौटना होगा।

उन्होंने कहा, कम से कम आधे घंटे का इंतजार करना पड़ रहा था, इसलिए मैं वापस लौट आया। आतिथ्य क्षेत्र इस स्थिति से सबसे अधिक प्रभावित हुआ है।

तमिलनाडु होटल एसोसिएशन के अनुसार, हजारों छोटे और मध्यम रेस्तरां इस संकट से बुरी तरह प्रभावित हुए हैं। चेन्नई के कई प्रसिद्ध प्रतिष्ठानों ने अपने गैस भंडार को बचाने के लिए डोसा और फ्राइड राइस जैसे अधिक गैस खपत वाले व्यंजन परोसना बंद कर दिया है और उनकी जगह साधारण भाप में पके व्यंजन परोसे जा रहे हैं। यह संकट परिवहन क्षेत्र तक भी पहुंच गया है, विशेषकर सीएनजी से चलने वाले ऑटो-रिक्शा प्रभावित हुए हैं।

सीमित संख्या में चालू गैस वितरण केंद्रों पर घंटों इंतजार के कारण बृहस्पतिवार को चेन्नई में लगभग एक चौथाई ऑटो सड़कों से नदारद रहे। वहीं जो ऑटो चल रहे हैं, उन्होंने लंबे इंतजार की भरपाई के लिए किराये में काफी वृद्धि कर दी है। संकट का असर चेन्नई के आईटी सेक्टर पर भी पड़ा है।

सूत्रों के अनुसार, एचसीएल ने अपने चेन्नई कार्यालय के कर्मचारियों को 12 और 13 मार्च को घर से काम करने का विकल्प दिया है, क्योंकि गैस की कमी के कारण कंपनी की कैंटीन का संचालन प्रभावित हुआ है। इस बीच, भारतीय कम्युनिस्ट पार्टी (भाकपा) की तमिलनाडु इकाई ने महंगाई और गैस की कमी के विरोध में 14 मार्च को राज्यव्यापी प्रदर्शन का आह्वान किया है। एक बयान में भाकपा के राज्य सचिव एम. वीरपांडियन ने आरोप लगाया कि मोदी सरकार ने रूसी तेल खरीदने के लिए अमेरिका से ''अनुमति'' मांगकर राष्ट्रीय संप्रभुता से समझौता किया है।

तमिलनाडु विधानसभा के अध्यक्ष एम. अप्पावु ने भी केंद्र सरकार पर निजी क्षेत्रों के हितों को साधने के लिए कृत्रिम अभाव पैदा करने का आरोप लगाया।

उन्होंने पत्रकारों से कहा कि चार दिन पहले ही केंद्र ने दावा किया था कि गैस, पेट्रोल और डीजल का पर्याप्त भंडार 30 दिनों तक के लिए उपलब्ध है।

अप्पावु ने कहा, यदि एक महीने के लिए पर्याप्त गैस और ईंधन था तो वह कहां गया? वास्तव में कोई वास्तविक कमी नहीं है, बल्कि कमी पैदा की जा रही है।

अदालत ने तत्काल बुकिंग के लिए आधार प्रमाणीकरण को लेकर रेलवे बोर्ड को फटकार लगाई

कोच्चि/भाषा। केरल उच्च न्यायालय ने रेलवे बोर्ड को फटकार लगाई। अदालत ने बोर्ड को कई महीनों का समय दिया लेकिन बोर्ड ने अभी तक इस सवाल का जवाब नहीं दिया है कि तत्काल टिकट बुकिंग के लिए आधार प्रमाणीकरण अनिवार्य है या नहीं। मुख्य न्यायाधीश सौमेन सेन और न्यायमूर्ति श्याम कुमार वी एम की पीठ ने बोर्ड के वकील द्वारा इस मुद्दे पर जवाब देने के लिए तीन सप्ताह का और समय मांगे जाने पर अपनी नाराजगी व्यक्त की।

पीठ ने कहा, इतने सरल मुद्दे पर आप इतना समय ले रहे हैं। कई महीनों का समय दिए जाने के बावजूद आपने जवाब नहीं दिया है। यदि आप जवाब देने में असमर्थ हैं, तो हम इस मुद्दे पर फैसला कर सकते हैं। अदालत ने मामले को तीन सप्ताह के लिए स्थगित कर दिया और यह स्पष्ट किया कि बोर्ड को उस अवधि के भीतर अपना जवाब दाखिल करना होगा। पीठ की ये टिप्पणियां और निर्देश एक जनहित याचिका पर आए हैं, जिसमें तत्काल बुकिंग के लिए आधार प्रमाणीकरण को अनिवार्य करने वाले केंद्र सरकार के परिपत्र को चुनौती दी गई है।

टीवीएस मोटर ने इलेक्ट्रिक स्कूटर 'ऑर्बिटर वी1' किया पेश

दक्षिण भारत राष्ट्रमत
dakshinbharat.com

चेन्नई। टीवीएस मोटर कंपनी ने बृहस्पतिवार को 1.8 किलोवाट-घंटा बैटरी से लैस इलेक्ट्रिक स्कूटर टीवीएस 'ऑर्बिटर वी1' पेश किया। चेन्नई मुख्यालय वाली कंपनी ने वर्ष 2025 में 'टीवीएस ऑर्बिटर' पेश किया था।

अब इस श्रृंखला में दो मॉडल 'ऑर्बिटर वी1' (1.8 किलोवाट-घंटा बैटरी) और 'ऑर्बिटर वी2' (3.1 किलोवाट-घंटा बैटरी) उपलब्ध होंगे। कंपनी के अनुसार, 'ऑर्बिटर वी1' की कीमत 49,999 रुपये (दिल्ली शोरूम में) तय की गई जिसमें बैटरी-एज-ए-सर्विस' मॉडल शामिल है। यदि ग्राहक बैटरी-एज-ए-सर्विस मॉडल नहीं लेते हैं तो इस स्कूटर की कीमत 84,500 रुपये (दिल्ली शोरूम) होगी। टीवीएस मोटर कंपनी के भारत के अध्यक्ष (दोपहिया कारोबार) गौरव गुप्ता ने इस मौके पर कहा कि कंपनी ने इलेक्ट्रिक वाहन का एक मजबूत खंड तैयार किया है और टीवीएस 'ऑर्बिटर वी1' के साथ इलेक्ट्रिक स्कूटर श्रृंखला में सबसे किफायती वाहन पेश किया गया है...।

उन्होंने कहा कि 'बैटरी-एज-ए-सर्विस' मॉडल ग्राहकों के लिए इलेक्ट्रिक वाहन स्वामित्व के तरीके में एक महत्वपूर्ण बदलाव लाता है और इससे वाहन की कुल लागत को समझना आसान होता है।

कंपनी के वरिष्ठ उपाध्यक्ष (कम्यूटर एवं इलेक्ट्रिक वाहन कारोबार) अनिरुद्ध हलदर ने कहा कि कंपनी इलेक्ट्रिक वाहन क्षेत्र में अपनी अग्रणी स्थिति को मजबूत करने और भारत में बिजली चालित परिवहन को आगे बढ़ाने के लिए प्रतिबद्ध है।

कुमार पर्वत ट्रेक की अवधि बढ़ाने के कदम : ईश्वर बी खंड्रे

दक्षिण भारत राष्ट्रमत
dakshinbharat.com

बेंगलूरु। वन मंत्री ईश्वर बी खांड्रे ने कहा कि अधिकारियों को निर्देश दिया जाएगा कि सुब्रह्मण्य से कुमार पर्वत तक की पदयात्रा वर्तमान में सुबह 6 बजे के बजाय सुबह 5.30 बजे शुरू की जाए। गुरुवार को विधानसभा की कार्यवाही के दौरान, सुलिया विधानसभा क्षेत्र के सांसद भागीरथी मुरली ने कहा कि सुब्रह्मण्य से कुमार पर्वत तक की पहले से निर्धारित ट्रेकिंग के समय में बदलाव से ट्रेकर्स को असुविधा हुई है। इसलिए, वर्तमान में निर्धारित ट्रेकिंग के समय की समीक्षा की जानी चाहिए और इसे पहले की तरह ही तय किया जाना चाहिए।

उक्त प्रश्न का उत्तर देते हुए मंत्री ने निष्कर्ष निकाला कि सुरक्षा व्यवस्था के बिना वन्यजीव अभ्यारण्य में रहना उचित नहीं है। चूंकि वहां मानव-वन्यजीव संघर्ष की समस्या बहुत अधिक है, इसलिए ट्रेकर्स की सुरक्षा को ध्यान में रखते हुए और अभ्यारण्य के भीतर उचित बुनियादी ढांचे की कमी के कारण तथा राष्ट्रीय बाघ संरक्षण प्राधिकरण के निर्देशों के अनुसार, अभ्यारण्य के भीतर रात्रि प्रवास अनिवार्य है। अतः, वर्ष 2024-25 से यह सुझाव दिया गया है कि सुब्रह्मण्य-कुमार पर्वत की 24 किलोमीटर लंबी ट्रेक सुबह 6 बजे शुरू होकर उसी दिन शाम 6 बजे समाप्त होगी।

उन्होंने बताया कि ट्रेकर्स के हित में, सुब्रह्मण्य-कुमार पर्वत-सुब्रह्मण्य ट्रेकिंग मार्ग, जिसकी कुल दूरी 24 किमी है, को घटाकर 20 किमी कर दिया गया है, यानी सुब्रह्मण्य-शेषपर्वत-सुब्रह्मण्य, और इसकी अवधि 12 घंटे तक सीमित कर दी गई है, जिससे उन्हें समय पर लौटने में मदद मिलेगी। उन्होंने कहा कि सदस्यों के अनुरोध पर, अधिकारियों को सुबह 5:30 बजे से ट्रेकिंग शुरू करने के लिए उचित निर्देश दिए जाएंगे।

इसी बीच, विपक्ष के नेता आर. अशोक ने विधानसभा में यह मुद्दा उठाया कि सफारी पर प्रतिबंध लगाना सही कदम नहीं है। सफारी सिर्फ इसी तक सीमित नहीं है। बंदीपुर में मानव-पशु संघर्ष बढ़ने के कारण दो लोगों की मौत हो गई और एक गंभीर रूप से घायल हो गया। उन्होंने कहा कि बाघों के बढ़ते हमलों के कारण सफारी पर प्रतिबंध लगाया गया है। वन मंत्री ईश्वर खंड्रे ने विधानसभा को बताया कि मुख्यमंत्री की अध्यक्षता में हुई वन्यजीव परिषद की बैठक में एक विशेषज्ञ समिति द्वारा दी गई रिपोर्ट के आधार पर सफारी को फिर से शुरू कर दिया गया है।

रियल एस्टेट कारोबारी की हत्या के मामले में दो नाबालिगों समेत आठ गिरफ्तार

दक्षिण भारत राष्ट्रमत
dakshinbharat.com

बेंगलूरु। बेंगलूरु के बाहरी इलाके में एक रियल एस्टेट कारोबारी के अपहरण और हत्या के मामले में दो नाबालिगों सहित आठ लोगों को गिरफ्तार किया गया है। पुलिस ने बृहस्पतिवार को यह जानकारी दी। पुलिस ने बताया कि मृतक की पहचान आनेकल तालुक के होन्नाकलासापुरा गांव के निवासी गोपाल उर्फ गोपी के रूप में हुई है। उसकी उम्र 30-40 वर्ष के बीच थी। वह रियल एस्टेट और वित्तीय कारोबार से जुड़ा हुआ था।

पुलिस के अनुसार, इस संबंध में पुलिस ने मोहन बाबू नामक व्यक्ति को गिरफ्तार किया है, जिसे इस अपराध का मुख्य साजिशकर्ता माना जा रहा है। मोहन बाबू का मानना था कि गोपाल ने उसके व्यवसाय को नुकसान पहुंचाने के लिए काला जादू किया था। एक वरिष्ठ पुलिस अधिकारी ने बताया, हमने गोपाल के अपहरण और हत्या के सिलसिले में आठ लोगों को कृष्णागिरी (तमिलनाडु) स्थित उनके ठिकाने से पकड़ा है। इनमें दो नाबालिग भी शामिल हैं। इस साजिश में शामिल अन्य साथियों को पकड़ने के प्रयास किए जा रहे हैं। इस मामले की जांच वर्तमान में आपराधिक जांच विभाग (सीआईडी) की टीम द्वारा की जा रही है।

पुलिस के अनुसार, रविवार को गोपाल और उसके मित्र सतीश, अत्तिबेले से आनेकल की ओर कार में यात्रा कर रहे थे। घटना आनेकल तालुक में कर्पूर गेट के पास हुई। अपहरण की योजना बनाने वाले हमलावरों ने कथित तौर पर कार को रोकने के लिए उसे एक अन्य वाहन से टक्कर मारी। पुलिस के एक वरिष्ठ अधिकारी ने बताया कि बदमाशों ने कथित तौर पर गोपाल पर एक पदार्थ छिड़का और उसे अगवा कर लिया। इसके बाद वे दूसरी कार में बैठकर मौके से फरार हो गए।

उन्होंने कहा कि अपहर्ताओं ने सतीश पर भी वैसा ही पदार्थ छिड़का था लेकिन वह किसी तरह गोपाल के परिवार वालों को सूचना देने में सफल रहे। अधिकारी ने कहा, ''प्रारंभिक जांच के दौरान पता चला कि गोपाल और मोहन दोनों चिक्कमगलूरु जिले के कलासपुरा गांव के रहने वाले थे और लगभग 10-12 वर्षों से उनके बीच अनबन थी।''

साउथ इंडियन बैंक ने ईपीएफओ के साथ मिलकर ईपीएफ भुगतान सेवा शुरू की

दक्षिण भारत राष्ट्रमत
dakshinbharat.com

चेन्नई। निजी क्षेत्र के साउथ इंडियन बैंक ने बृहस्पतिवार को कहा कि उसने कर्मचारी भविष्य निधि संगठन (ईपीएफओ) के साथ मिलकर अपने इंटरनेट बैंकिंग मंच 'साइबरनेट' के जरिये कर्मचारी भविष्य निधि (ईपीएफ) भुगतान सेवा शुरू की है।

बैंक ने बयान में कहा कि इस एकीकरण से नियोक्ता और संस्थान अब बैंक के डिजिटल बैंकिंग मंच के माध्यम से ईपीएफ अंशदान का भुगतान आसानी से कर सकेंगे। नियोक्ता और संस्थान अब ईपीएफओ पोर्टल के जरिये बैंक की नेट बैंकिंग सुविधा का उपयोग कर ईपीएफ अंशदान, बकाया और संबंधित शुल्क का सीधे भुगतान कर सकते हैं।

साउथ इंडियन बैंक के प्रबंध निदेशक एवं मुख्य कार्यपालक अधिकारी (सीईओ) पी आर शेषाद्रि ने कहा कि साइबरनेट के जरिये ईपीएफ भुगतान सुविधा शुरू करना ग्राहकों को सुरक्षित एवं निर्बाध डिजिटल बैंकिंग समाधान मुहैया कराने की दिशा में एक और कदम है। उन्होंने कहा, ईपीएफओ के साथ एकीकरण के जरिये हमारा लक्ष्य नियोक्ताओं और कारोबार क्षेत्रों के लिए वैधानिक भुगतान को सरल बनाना है।

बेलगाम में आईटी-बीटी और नवाचार पारिस्थितिकी तंत्र को मजबूत करेगी सरकार

दक्षिण भारत राष्ट्रमत
dakshinbharat.com

बेंगलूरु। सूचना प्रौद्योगिकी और जैव प्रौद्योगिकी मंत्री प्रियांक खरगे ने कहा कि सरकार बेलगाम को राज्य का एक प्रमुख प्रौद्योगिकी और नवाचार केंद्र बनाने और उत्तरी कर्नाटक के युवाओं को अधिक रोजगार के अवसर प्रदान करने के लिए कई महत्वपूर्ण परियोजनाओं को लागू कर रही है। गुरुवार को विधान परिषद की कार्यवाही के दौरान, मंत्री ने परिषद के सदस्य एम. नागराजू के एक प्रश्न का उत्तर देते हुए कहा कि बेलगाम में तत्काल मांग को पूरा करने के लिए जिला कलेक्टर को कला मंदिर जैसे स्थानों पर आईटी प्लग-एंड-प्ले केंद्र स्थापित करने के निर्देश दिए गए हैं।

उन्होंने कहा कि स्टार्टअप इकोसिस्टम को मजबूत करने के लिए विश्वेश्वरैया प्रौद्योगिकी विश्वविद्यालय, केएलई प्रौद्योगिकी विश्वविद्यालय और मराठा मंडल इंजीनियरिंग कॉलेज में तीन प्रौद्योगिकी व्यापार इनक्यूबेटर स्थापित किए गए हैं। छात्रों में उद्यमिता को बढ़ावा देने के लिए केएलई फार्मेसी कॉलेज और एसजी बालेकुंद्री इंस्टीट्यूट ऑफ

टेक्नोलॉजी में 'न्यू एज इनोवेशन नेटवर्क' केंद्र शुरू किए गए हैं। उन्होंने बताया कि पहली बार, अगस्त में बेलगावी के सुवर्णा विधान सौधा में एक विशाल प्रौद्योगिकी शिखर सम्मेलन 'टेकसेलरेशन-2025' का आयोजन किया गया। इस शिखर सम्मेलन में 700 से अधिक प्रतिनिधियों और विदेशी प्रतिनिधिमंडलों ने भाग लिया। हुब्बल्ली-धारवाड़-बेलगावी क्लस्टर से रिकॉर्ड 52 स्टार्टअप आवेदनों में से, शीर्ष 10 को बैंगलोर टेक समिट-2025 में मुफ्त बूथ प्रदान करके समर्थन दिया गया।

सरकार निपुण कर्नाटक योजना के तहत युवाओं और उद्यमियों के लिए आवश्यक कौशल प्रशिक्षण शिविरों का आयोजन कर रही है ताकि उन्हें आईटी उद्योग के लिए आवश्यक कौशल प्रदान किए जा सकें। आइडिया 2 पीओसी-एलिवेट के तहत नवोन्मेषी स्टार्टअप्स को 50 लाख रुपये तक का अनुदान दिया जा रहा है। राजीव गांधी उद्यमिता कार्यक्रम के तहत, 30 महिला नेतृत्व वाले स्टार्टअप्स को विशेष सहायता प्रदान की जा रही है, जिसमें युवा स्नातकों को नए विचारों को लागू करने के लिए 12 महीने की अवधि के लिए 25,000 रुपये का मासिक वजीफा शामिल है।

सुविचार

किसी को उपहार में कीमती चीजें देना आसान है, लेकिन अपना 'समय' देना सबसे कीमती उपहार होता है।

दक्षिण भारत राष्ट्रमत

गोबर-गोमूत्र का उपहास क्यों?

कांग्रेस के वरिष्ठ नेता राहुल गांधी ने एक कार्यक्रम में गोमूत्र के बारे में जो टिप्पणी की, उसमें सत्य नहीं, बल्कि उसका उपहास झलकता है। गोबर और गोमूत्र के बारे में अक्सर ऐसी टिप्पणियां सुनने को मिलती हैं, जिनमें इनके लिए घृणा की अभिव्यक्ति होती है। क्या ये इतनी बुरी चीजें हैं? आजादी के बाद पश्चिम के अंधानुकरण को ही विकास समझ लिया गया था। ऐसा माहौल बनाने की कोशिश की गई कि हमारे पास जो कुछ है, वह कचरा है। असल ज्ञान तो पश्चिम के पास ही है! इसी क्रम में गोबर के बारे में दुष्प्रचार किया गया। जिसे मूर्ख साबित करना होता है, उसके बारे में कहा जाता है, 'तुम्हारे दिमाग में तो ... भरा है।' कुछ कंपनियों के प्रतिनिधियों ने किसानों के बीच जाकर गोबर को पिछड़ेपन का प्रतीक बताया और खेती में रासायनिक खादों एवं कीटनाशकों के उपयोग से होने वाले कथित फायदे बताए। इन पर किसानों ने मोटी रकम खर्च की, आज भी कर रहे हैं। इससे किसानों को कितना फायदा हुआ, यह शोध का विषय हो सकता है। हां, उन कंपनियों को खूब फायदा हुआ। अब इसके दुष्परिणाम भी दिखाई दे रहे हैं। कई रिपोर्टें आ चुकी हैं, जिनमें बताया गया है कि रासायनिक खाद और कीटनाशक हमारी सेहत के लिए नुकसानदेह साबित हो रहे हैं। जहां इनका बहुत ज्यादा उपयोग हो रहा है, वहां कम उम्र में ही लोगों को कैंसर, अल्सर, अपच, डायबिटीज जैसी बीमारियां हो रही हैं। जब तक खेतों में गोबर और गोमूत्र की खाद डाली गई, उपज का स्वाद अच्छा रहा। बहुत लोग इस बात से सहमत होंगे कि पहले गेहूं, चावल, दालों और सब्जियों का जो स्वाद था, उसमें अब बदलाव आ गया है। आप बाज़ार से आलू, मटर जैसी सब्जियां लेकर आएं; साथ ही, अपने घर में कहीं गोबर की खाद से ये सब्जियां उगाकर खाएं। दोनों सब्जियों के स्वाद में अंतर जरूर होगा।

गोबर में लक्ष्मी का वास होता है। ये शब्द पढ़कर कुछ लोगों को हंसी आ सकती है, लेकिन यह बहुत गहरी बात है। घर में गोबर के लिए गाय का होना जरूरी है। जिस घर में गाय होती है, उसे शुद्ध दूध, दही और घी की प्राप्ति होती है। खेत को शुद्ध एवं सात्विक खाद मिलती है। इससे समृद्धि आती है। गाय उस परिवार के सदस्यों को किसी-न-किसी रूप में व्यस्त रखती है तथा अन्य लोगों के लिए रोजगार के अवसरों का सृजन करती है। गाय के बछड़े बड़े होकर बैल बनते हैं। वे किसान के सच्चे साथी होते हैं। जब एक किसान बैलगाड़ी और हल बनवाता है तो कम-से-कम पांच लोगों को रोजगार मिलता है। जिस घर में गाय और बैल होते हैं, वहां लोगों को सुबह जल्दी उठना होता है। उनकी दिनचर्या प्रकृति के अनुकूल रहती है। उन्हें अलार्म लगाने की जरूरत ही नहीं पड़ती। कई बुजुर्ग किसान यह स्वीकार करते हैं कि जब तक गाय और बैल हमारे घरों में थे, इतनी बेरोजगारी नहीं थी, लड़ाई-झगड़े कम होते थे। जिस दिन खूंटा खाली हुआ, लोगों की दिनचर्या बिगड़ गई। अब वे देर रात तक मोबाइल फोन चलाते हैं। सोशल मीडिया पर जरा-सी बात पर झगड़े हो जाते हैं। आक, धतूरा, नीम और एलोवेरा के साथ गोमूत्र मिलाकर बहुत अच्छा कीटनाशक बनाया जा सकता है। यह दुर्भाग्य का विषय है कि जो चीजें प्रकृति ने हमारे देश को भरपूर मात्रा में दी हैं, ज्यादातर लोगों को उनकी खूबियों के बारे में कोई जानकारी नहीं है। वरिष्ठ राजनेता गोमूत्र के बारे में हल्की टिप्पणी कर रहे हैं। इससे लोगों में क्या संदेश जाएगा? क्या ऐसी टिप्पणी एक विशेष विचारधारा को ताकत नहीं देगी, जो हिंदू धर्म और भारतीय संस्कृति पर हमला करने का मौका ढूंढ़ती रहती है? आयुर्वेद विशेषज्ञ मानते हैं कि गोमूत्र में कई रोगनिवारक गुण होते हैं। उनके पास इसके प्रमाण हैं। किसी व्यक्ति की मर्जी है कि वह इन पर विश्वास करे या न करे, लेकिन जब वह व्यक्ति उच्च शिक्षित हो, वरिष्ठ राजनेता हो और उसके साथ बहुत लोगों की उम्मीदें जुड़ी हों, तो उसे ऐसे विषय पर पर्याप्त अध्ययन करने के बाद ही टिप्पणी करनी चाहिए।

ट्वीटर टॉक

दांडी यात्रा दिवस हमें उस ऐतिहासिक क्षण की याद दिलाता है, जब बापू के नेतृत्व में सत्याग्रहियों ने अन्यायपूर्ण कानूनों के विरुद्ध अदम्य साहस और अहिंसक प्रतिरोध की मिसाल पेश की। 1930 में साबरमती से दांडी तक निकली।

-वसुंधरा राजे

पर्यटन भवन स्थित कार्यालय में बांसवाड़ा-डूंगरपुर के पूर्व सांसद कनकमल कटारा , श्रीमती रूमा देवी , रावणा राजपूत समाज के पदाधिकारियों, विद्याधर नगर विधानसभा के जिला पदाधिकारी, मंडल अध्यक्षों तथा प्रदेश के विभिन्न हिस्सों से पधारे नागरिकों से आत्मीय भेंट हुई।

-दिया कुमारी

दांडी मार्च केवल नमक कानून के विरुद्ध आंदोलन नहीं था, बल्कि अन्याय और दमनकारी नीतियों के खिलाफ दुनिया का सबसे बड़ा अहिंसक प्रतिरोध था। जयपुर में भारत सेवा संस्थान द्वारा आयोजित दांडी मार्च स्मृति पदयात्रा में शामिल होकर महात्मा गांधी को विनम्र नमन किया।

-अशोक गहलोत

प्रेरक प्रसंग

अन्याय के विरुद्ध

वर्ष 1990 के दशक में चेचन्या में सशस्त्र संघर्ष और नागरिक अत्याचारों के बीच, जर्मन पत्रकार और मानवाधिकार कार्यकर्ता अन्ना पोलिटकोव्स्काया ने वहां के आम लोगों की पीड़ा को उजागर करने का निर्णय लिया। उन्होंने देखा कि कई परिवारों के सदस्य अचानक गायब हो रहे थे और स्थानीय प्रशासन या सेना इसका कोई स्पष्ट जवाब नहीं देती थी। कई पत्रकार इस क्षेत्र में जाने से डर रहे थे, लेकिन अन्ना ने बिना किसी सुरक्षा गारंटी के सीधे गांवों और शिविरों का दौरा किया, लोगों से साक्षात्कार लिए और घटनाओं का विवरण लिखकर प्रकाशित किया। उनके लेखों ने अंतर्राष्ट्रीय समुदाय का ध्यान चेचन्या में हो रहे मानवाधिकार उल्लंघनों की ओर खींचा, लेकिन इसके कारण उन्हें लगातार धमकियां और जानलेवा खतरे का सामना करना पड़ा। उन्होंने कहा कि सत्य की आवाज को दबाने से सच्चाई समाप्त नहीं होती और पत्रकार का कर्तव्य केवल सूचना देना नहीं, बल्कि समाज में अन्याय को उजागर करना भी है। अन्ना पोलिटकोव्स्काया का यह अनुभव आज भी पत्रकारिता और मानवाधिकार कार्य में प्रेरणा का स्रोत बना हुआ है।

सामयिक

हॉर्मुज की घेराबंदी और भारत में गहराता गैस संकट

महेन्द्र तिवारी

मोबाइल : 9989703240

भारत के भीतर इस अंतरराष्ट्रीय संकट का असर सबसे पहले कॉमर्शियल गैस की आपूर्ति पर पड़ा है। उत्तर प्रदेश, महाराष्ट्र, मध्य प्रदेश, राजस्थान और कर्नाटक जैसे बड़े राज्यों में तेल कंपनियों ने कॉमर्शियल गैस की सप्लाई पर कड़े प्रतिबंध लगा दिए हैं। स्थिति को नियंत्रित करने के लिए सरकार ने गैस वितरण को चार स्पष्ट श्रेणियों में विभाजित किया है।

भारत की ऊर्जा सुरक्षा आज एक ऐसे कठिन मोड़ पर खड़ी है जहाँ सरहद पार की जंग हमारे रसोई घरों और व्यापारिक प्रतिष्ठानों की दहलीज तक पहुँच गई है। देश के कई राज्यों में कॉमर्शियल गैस सिलेंडरों की आपूर्ति में आई अचानक गिरावट ने न केवल होटल और रेस्टोरेंट उद्योग की कमर तोड़ दी है, बल्कि आम नागरिक के मन में भी भविष्य को लेकर एक अनजाना डर पैदा कर दिया है। यह संकट केवल मांग और आपूर्ति का साधारण गणित नहीं है, बल्कि यह वैश्विक कूटनीति, युद्ध की विभीषिका और भारत की आयात पर अत्यधिक निर्भरता का एक कड़वा परिणाम है। नई दिल्ली के गलियारों से शुरू हुई यह सुगबुगाहट अब पूरे देश में एक बड़े हड़कंप का रूप ले चुकी है, जहाँ उत्तर से दक्षिण तक गैस एजेंसियों के बाहर लगी लंबी कतारें एक गहरे संकट की गवाही दे रही हैं। इस स्थिति की गंभीरता को देखते हुए केंद्र सरकार ने तत्काल प्रभाव से आवश्यक वस्तु अधिनियम 1955 को लागू कर दिया है, ताकि जमाखोरी जैसी कुप्रथाओं पर लगाम कसी जा सके और उपलब्ध संसाधनों का न्यायसंगत वितरण सुनिश्चित हो सके। इस पूरे संकट की जड़ें मध्य पूर्व के अशांत भूगोल में धंसी हुई हैं। अमेरिका, इजराइल और ईरान के बीच छिड़ी जंग ने दुनिया के सबसे महत्वपूर्ण व्यापारिक रास्तों में से एक, हॉर्मुज जलमार्ग को अवरुद्ध कर दिया है। मात्र 167 किलोमीटर लंबा यह जलमार्ग फारस की खाड़ी को अरब सागर से जोड़ता है और वैश्विक पेट्रोलियम व्यापार की धड़कन माना जाता है। दुनिया का लगभग 20 प्रतिशत पेट्रोलियम इसी संकरे रास्ते से होकर गुजरता है। भारत के लिए इसकी अहमियत का अंदाजा इस बात से लगाया जा सकता है कि हमारी अर्थव्यवस्था अपनी जरूरत का 50 प्रतिशत कच्चा तेल और 54 प्रतिशत एलएनजी इसी मार्ग के जरिए मंगाती है। ईरान और इजराइल के बीच तनाव ने इस मार्ग को युद्ध के मैदान में तब्दील कर दिया है, जिससे टैंकरों की आवाजाही लगभग ठप हो गई है। इसके साथ ही, पिछले दिनों ईरान द्वारा अमेरिका के सहयोगियों कतर, यूएई और कुवैत के ठिकानों पर किए गए ड्रोन हमलों ने आग में घी डालने का काम किया है। विशेष रूप से कतर में एलएनजी प्लांट पर हुए हमलों के बाद उत्पादन रोकना पड़ा है, जो भारत के लिए एक बड़ा झटका है क्योंकि हम अपनी वार्षिक एलएनजी जरूरतों का 40 प्रतिशत हिस्सा अकेले कतर से पूरा करते हैं।

भारत के भीतर इस अंतरराष्ट्रीय संकट का असर सबसे पहले कॉमर्शियल गैस की आपूर्ति पर पड़ा है। उत्तर प्रदेश, महाराष्ट्र, मध्य प्रदेश, राजस्थान और कर्नाटक जैसे बड़े राज्यों में तेल कंपनियों ने कॉमर्शियल गैस की सप्लाई पर कड़े प्रतिबंध लगा दिए हैं। स्थिति को नियंत्रित करने के लिए सरकार ने गैस वितरण को चार स्पष्ट श्रेणियों में विभाजित किया है। प्राथमिकता की पहली श्रेणी में घरेलू रसोई गैस (पीएनजी) और सार्वजनिक परिवहन के लिए सीएनजी को रखा गया है, ताकि आम जनता का जीवन पूरी तरह अस्त-व्यस्त न हो। दूसरी श्रेणी में खाद कारखानों को रखा गया है, जिन्हें 70 प्रतिशत आपूर्ति दी जा रही है, बशर्ते वे यह प्रमाणित करें कि इस गैस का उपयोग केवल उर्वरक उत्पादन में ही हुआ है। तीसरी श्रेणी में चाय की फैक्ट्रियों जैसे बड़े उद्योगों को रखा गया है, जो 80 प्रतिशत आपूर्ति प्राप्त कर रहे हैं। सबसे अंतिम और चौथी श्रेणी में छोटे कारखाने, होटल और रेस्टोरेंट शामिल हैं, जिन्हें उनकी पुरानी खपत के आधार पर अधिकतम 80 प्रतिशत सप्लाई का आश्वासन दिया गया है। हालांकि, धरातल पर स्थिति इससे कहीं अधिक गंभीर है और कई छोटे प्रतिष्ठानों को तो पूरी तरह गैस मिलना बंद हो गई है। उत्तर प्रदेश के प्रमुख शहरों जैसे लखनऊ, कानपुर, वाराणसी और गोरखपुर में स्थिति विकट हो चली है। यहाँ बुकिंग के कई दिनों बाद भी डिलीवरी नहीं हो रही है और गोरखपुर जैसे क्षेत्रों में गैस एजेंसियों के बाहर एक-एक किलोमीटर लंबी कतारें देखी जा रही हैं। तेल कंपनियां अपना पूरा ध्यान घरेलू उपभोक्ताओं पर केंद्रित कर रही हैं, जिसके कारण ढाबा और रेस्टोरेंट संचालकों के सामने अपने शटर गिराने की नौबत आ गई है। यही हाल महाराष्ट्र का है, जहाँ मुंबई के लगभग 20 प्रतिशत रेस्टोरेंट बंद हो चुके हैं। पुणे में तो संकट इतना गहरा गया है कि नगर निगम को अस्थायी रूप से गैस आधारित शवदाह गृहों को भी बंद करना पड़ा है। 'आहार' जैसे रेस्टोरेंट एसोसिएशनों ने चेतावनी दी है कि यदि अगले 48 घंटों में आपूर्ति बहाल नहीं हुई, तो आधे से ज्यादा प्रतिष्ठान बंद हो जाएंगे, जिसका सीधा असर उन लाखों कर्मचारियों पर पड़ेगा जो इस क्षेत्र में कार्यरत हैं। मध्य प्रदेश में भोपाल के होटल संचालक शादी के इस व्यस्त सीजन में सिलेंडर न मिलने से हताश हैं, जबकि कर्नाटक के बेंगलुरु में स्थिति यह है कि कई रेस्टोरेंट्स में केवल कॉफी उपलब्ध है क्योंकि मुख्य भोजन बनाने के लिए गैस ही नहीं बची है।

यह संकट भारत की ऊर्जा सुरक्षा के लिए एक चेतावनी की तरह है। मध्य पूर्व की राजनीतिक अस्थिरता का सीधा असर हमारी रसोई तक पहुँचना यह दर्शाता है कि हम एक नाजुक संतुलन पर टिके हुए हैं। भविष्य में ऐसी स्थितियों से बचने के लिए हमें ऊर्जा के स्रोतों में विविधता लानी होगी। अक्षय ऊर्जा, बायोगैस और व्यापक पाइपलाइन नेटवर्क का विस्तार अब केवल विकल्प नहीं बल्कि अनिवार्यता बन गए हैं। देश को अपने स्ट्रैटेजिक पेट्रोलियम रिजर्व को और अधिक मजबूत करना होगा ताकि किसी भी वैश्विक बाधा की स्थिति में हमारे पास कम से कम 90 दिनों का बैकअप मौजूद हो। इसके साथ ही, घरेलू स्तर पर नेचुरल गैस के उत्पादन को बढ़ाना और आयात पर निर्भरता कम करना हमारा प्राथमिक लक्ष्य होना चाहिए। कुल मिलाकर, वर्तमान गैस संकट मध्य पूर्व की उथल-पुथल का एक काला आईना है जो हमें आत्मनिर्भर बनने की सीख दे रहा है। यद्यपि सरकार के प्रयासों और अंतरराष्ट्रीय कूटनीति से यह संकट आने वाले कुछ हफ्तों में टल सकता है, लेकिन इससे मिलने वाला सबक स्थायी होना चाहिए। रेस्टोरेंट और होटल उद्योग, जो लाखों लोगों को रोजगार देता है और अर्थव्यवस्था का एक महत्वपूर्ण हिस्सा है, उसे बचाने के लिए त्वरित और ठोस हस्तक्षेप की जरूरत है। साथ ही, आम नागरिक को भी पारदर्शी जानकारी के माध्यम से विश्वास में लेना होगा ताकि समाज में पैनिक न फैले। ऊर्जा विविधीकरण और आत्मनिर्भरता ही वह रास्ता है जो भारत जैसे विशाल और विकासशील देश को भविष्य के वैश्विक झटकों से सुरक्षित रख सकता है। यह समय एकजुट होकर इस अस्थायी संकट का सामना करने और एक स्थायी, सुरक्षित ऊर्जा भविष्य की नींव रखने का है।

नजरिया

अविश्वास प्रस्ताव की राजनीति एवं लोकतांत्रिक मूल्य

ललित गर्ग

मोबाइल : 9811051133

आज आवश्यकता इस बात की है कि संसद की गरिमा और लोकतांत्रिक मूल्यों को सर्वोपरि रखा जाए। लोकसभा अध्यक्ष को संसद की निष्पक्षता और मर्यादा का प्रतीक माना जाता है और इस संस्था के प्रति अनावश्यक राजनीतिक टकराव लोकतंत्र के लिए शुभ संकेत नहीं है। भारत जैसे विशाल और विविधतापूर्ण देश में लोकतंत्र की सफलता इस बात पर निर्भर करती है कि उसके राजनीतिक दल कितनी परिपक्वता और जिम्मेदारी के साथ अपने कर्तव्यों का निर्वहन करते हैं।

भारतीय लोकतंत्र की सबसे महत्वपूर्ण संस्था संसद है, जहां न केवल कानून बनते हैं बल्कि राष्ट्र की दिशा और दशा पर गंभीर विमर्श भी होता है। लोकतांत्रिक व्यवस्था का मूल आधार यही है कि सत्ता पक्ष और विपक्ष दोनों अपनी-अपनी भूमिका को लोकतांत्रिक तरीके से जिम्मेदारी, संयम और मर्यादा के साथ निभाएं, यह नितांत अपेक्षित है। किंतु हाल के दिनों में जिस तरह से लोकसभा में लोकसभा अध्यक्ष ओम बिरला के खिलाफ विपक्ष द्वारा लाया गया अविश्वास प्रस्ताव चर्चा में आया, उसने एक बार फिर यह प्रश्न खड़ा कर दिया कि क्या विपक्ष वास्तव में संसदीय मर्यादाओं और लोकतांत्रिक जिम्मेदारियों को लेकर गंभीर है या वह केवल स्वार्थ की राजनीतिक करने के लिए ऐसे कदम उठा रहा है। लोकसभा अध्यक्ष के खिलाफ अविश्वास प्रस्ताव लाना एक गंभीर संसदीय कदम माना जाता है। यह केवल राजनीतिक विरोध का साधन नहीं होता, बल्कि इसके पीछे ठोस तर्क, गंभीर आरोप और व्यापक समर्थन होना अपेक्षित होता है। किंतु जिस प्रकार विपक्ष ने यह प्रस्ताव लाया और बाद में उसकी गंभीरता का अभाव दिखाया, उसने इस पूरी प्रक्रिया को प्रश्नों के घेरे में खड़ा कर दिया। जब यह प्रस्ताव ध्वनि मत से खारिज हुआ तो विपक्ष ने मतदान की मांग तक नहीं की। यदि विपक्ष को अपने प्रस्ताव पर पूरा विश्वास होता और उसे लगता कि वह सदन का समर्थन प्राप्त कर सकता है, तो वह निश्चित रूप से मत विभाजन की मांग करता। लेकिन ऐसा न होना इस तथ्य को ही पुष्ट करता है कि विपक्ष स्वयं भी जानता था कि यह प्रस्ताव पारित होने की स्थिति में नहीं है।

इससे भी अधिक आश्चर्यजनक स्थिति तब देखने को मिली जब प्रस्ताव पर चर्चा का अवसर आया तो विपक्ष ने स्वयं उस पर चर्चा करने के बजाय पश्चिम एशिया के संकट पर बहस की मांग शुरू कर दी। यह विषय निश्चित रूप से महत्वपूर्ण है, किंतु यदि विपक्ष ने स्वयं लोकसभा अध्यक्ष के खिलाफ अविश्वास प्रस्ताव लाया था तो उसे पहले उसी पर गंभीर चर्चा करनी चाहिए थी। सरकार की ओर से भी यह स्पष्ट किया गया कि वह अंतरराष्ट्रीय मुद्दों पर चर्चा से पीछे नहीं है, लेकिन संसद की कार्यवाही को नियमों और प्राथमिकताओं के अनुसार चलाना आवश्यक है। इस पूरे घटनाक्रम ने यह संकेत दिया कि विपक्ष विशेष रूप से कांग्रेस अपने ही प्रस्ताव को लेकर गंभीर नहीं थी। इस अवसर पर ही नहीं, अनेक अवसरों पर उसने गैर-जिम्मेदारी एवं बचकानेपन का अहसास कराया है। लोकतंत्र में विपक्ष की भूमिका अत्यंत महत्वपूर्ण होती है। वह सरकार की नीतियों की समीक्षा करता है, उसकी गलतियों को उजागर करता है और वैकल्पिक दृष्टि प्रस्तुत करता है। किंतु जब विपक्ष केवल राजनीतिक आरोपों और शोर-शराबे तक सीमित रह जाए तो लोकतांत्रिक विमर्श कमजोर पड़ने लगता है। यहां सत्ता-पक्ष के लिये भी यह गौर करने की बात है कि आखिर विपक्ष को ऐसा क्यों लग रहा है कि उसकी बातों को अनसुना किया जाता है? पक्ष एवं विपक्ष दोनों को ही विश्वास, समन्वय एवं सौहार्द बनाये रखते हुए ही आगे बढ़ना होगा।

नेता प्रतिपक्ष राहुल गांधी का व्यवहार भी कई बार संसदीय मर्यादाओं के संदर्भ में चर्चा का विषय बना है। यह सच है कि विपक्ष के नेता के रूप में उन्हें सरकार की आलोचना करने और अपनी बात रखने का पूरा अधिकार है, लेकिन इसका यह अर्थ नहीं कि संसदीय नियमों और परंपराओं को दरकिनार कर दिया जाए। संसद की कार्यवाही स्पष्ट नियमों और प्रक्रियाओं के अधीन चलती है और इन नियमों का पालन करना हर सांसद की जिम्मेदारी है। बीते कुछ समय से राहुल गांधी संसद के भीतर और बाहर यह आरोप लगाते रहे हैं कि अमेरिका के साथ व्यापार समझौते के मामले में प्रधानमंत्री ने समर्पण कर दिया है। इस तरह के आरोपों को उन्होंने कई मंचों पर दोहराया है, किंतु इन दावों के समर्थन में ठोस तथ्य प्रस्तुत नहीं किए गए। इसी प्रकार उन्होंने चुनाव आयोग पर भी यह आरोप लगाया कि वह मतदाता सूचियों के विशेष पुनरीक्षण के माध्यम से सत्तारूढ़ दल को लाभ पहुंचाने का प्रयास कर रहा है।

इसी संदर्भ में केंद्रीय गृहमंत्री अमित शाह ने संसद में विस्तार से यह बताया कि लोकसभा अध्यक्ष पर बोलने का अवसर न देने का आरोप लगाने वाले राहुल गांधी ने स्वयं कई महत्वपूर्ण विधेयकों पर चर्चा में भाग नहीं लिया। उन्होंने यह भी उल्लेख किया कि संसद के विभिन्न सत्रों के दौरान उनकी उपस्थिति अपेक्षाकृत कम रही है और कई बार महत्वपूर्ण बहसों के दौरान वे विदेश यात्राओं पर रहे। इन तथ्यों को सामने रखते हुए यह प्रश्न स्वाभाविक रूप से उठता है कि यदि संसद में सक्रिय भागीदारी ही कम होगी तो संसदीय विमर्श को प्रभावी कैसे बनाया जा सकेगा। जहां तक लोकसभा अध्यक्ष ओम बिरला का प्रश्न है, उनका कार्यकाल कई दृष्टियों से उल्लेखनीय रहा है। उन्होंने सदन की कार्यवाही को संतुलित, संयमित और नियमबद्ध ढंग से संचालित करने का प्रयास किया है। उनके नेतृत्व में संसद की कार्यवाही को अधिक उत्पादक बनाने की दिशा में कई प्रयास किए गए। उन्होंने सांसदों को समयबद्ध तरीके से बोलने का अवसर देने, युवा सांसदों को अधिक सक्रिय करने और संसदीय समितियों की भूमिका को मजबूत बनाने पर विशेष ध्यान दिया।

ओम बिरला की एक बड़ी विशेषता उनका शांत, संयमित और संवादपरक स्वभाव है। वे अक्सर सभी दलों के नेताओं से संवाद स्थापित कर सदन को सुचारुरूप से चलाने की कोशिश करते हैं। कई बार जब सदन में तीखी बहस या हंगामे की स्थिति बनी, तब भी उन्होंने धैर्य और संतुलन के साथ कार्यवाही को आगे बढ़ाने का प्रयास किया। यही कारण है कि उनके कार्यकाल को संसदीय परंपराओं के सम्मान और लोकतांत्रिक संतुलन के संदर्भ में महत्वपूर्ण माना जाता है। भारतीय लोकतंत्र विश्व का सबसे बड़ा लोकतंत्र है। यहां लगभग डेढ़ अरब लोगों की आकांक्षाएं, विविधताएं और विचार संसद के माध्यम से अभिव्यक्ति पाते हैं। यह लोकतंत्र केवल चुनावों तक सीमित नहीं है, बल्कि यह निरंतर संवाद, विमर्श और जवाबदेही की प्रक्रिया है। संसद इसी लोकतांत्रिक प्रक्रिया का केंद्रीय मंच है। इसलिए यह अपेक्षा की जाती है कि वहां होने वाली बहसें गंभीर, तथ्यपूर्ण और मर्यादित हों।

आज आवश्यकता इस बात की है कि संसद की गरिमा और लोकतांत्रिक मूल्यों को सर्वोपरि रखा जाए। लोकसभा अध्यक्ष को संसद की निष्पक्षता और मर्यादा का प्रतीक माना जाता है और इस संस्था के प्रति अनावश्यक राजनीतिक टकराव लोकतंत्र के लिए शुभ संकेत नहीं है। भारत जैसे विशाल और विविधतापूर्ण देश में लोकतंत्र की सफलता इस बात पर निर्भर करती है कि उसके राजनीतिक दल कितनी परिपक्वता और जिम्मेदारी के साथ अपने कर्तव्यों का निर्वहन करते हैं। यदि विपक्ष अपनी भूमिका को गंभीरता और रचनात्मकता के साथ निभाए और सत्ता पक्ष भी संवाद के लिए खुलेपन का परिचय दे, तो भारतीय लोकतंत्र न केवल मजबूत होगा बल्कि विश्व के सामने एक आदर्श भी प्रस्तुत करेगा। यही वह मार्ग है जो संसद की गरिमा, लोकतांत्रिक मूल्यों और राष्ट्रहित-तीनों की रक्षा कर सकता है।

महत्त्वपूर्ण

Published by Bhupendra Kumar on behalf of New Media Company, Arihant Plaza, 2nd Floor, 84-85, Wall Tax Road, Chennai-600 003 and printed by R. Kannan Adityan at Deviyin Kanmani Achagam, 246, Anna Salai, Thousand Lights, Chennai-600 006. Editor : Bhupendra Kumar (Responsible for selection of news under PRB Act.). Group Editor - Shreekant Parashar. Reproduction of any matter from this newspaper in whole or in part or any suchmanner without prior written permission from the publisher is strictly prohibited and punishable by law.**Regn No.RNI No. : TNHIN / 2013 / 52520**

पाठकों से अनुरोध है कि इस प्रकाशन में प्रकाशित किए जाने वाले किसी भी तरह के विज्ञापन (वैवाहिक, वर्गीकृत, टैंड़र एवं सजावटी इत्यादि) पर कोई भी कार्यवाही, प्रतिबद्धता या धनराशि का व्यय करने से पूर्व इन विज्ञापनों के बारे में समस्त जानकारी वह स्वयं प्राप्त कर लें। दक्षिण भारत राष्ट्रमत समूह उत्पादों की गुणवत्ता तथा सेवाओं के लिए विज्ञापनदाताओं द्वारा किए जा रहे किसी प्रकार के दावों के लिए जिम्मेदार नहीं है। अगर विज्ञापनदाता विज्ञापन में किया जा रहा दावा पूरा नहीं करता है तो दक्षिण भारत राष्ट्रमत समूह के संपादक, मुद्रक एवं प्रकाशक या मालिकान को पाठक किसी भी रूप में उत्तरदाई नहीं बना सकता।- **दक्षिण भारत राष्ट्रमत**

मांग

झारखंड विधानसभा में विपक्ष के नेता बाबूलाल मरांडी ने भाजपा विधायकों के साथ मिलकर विधानसभा के बजट सत्र के दौरान किसानों के लिए न्यूनतम समर्थन मूल्य की मांग को लेकर तख्तियां दिखाईं और विरोध प्रदर्शन किया।

कुंभ मेले की मोनालिसा ने प्रेमी के साथ रहने के लिए मांगी पुलिस की मदद

तिरुवनंतपुरम/भाषा। प्रयागराज कुंभ मेले के दौरान मशहूर हुई युवती मोनालिसा भोसले ने बुधवार को यहां पुलिस से अपने प्रेमी के साथ रहने और उससे शादी करने के लिए सुरक्षा मांगी है। यहां थंपनूर पुलिस स्टेशन पहुंचने के बाद उसने आरोप लगाया कि उसके पिता उसे जबरदस्ती उसके गृहनगर वापस ले जाने की कोशिश कर रहे हैं। पुलिस ने कहा कि वह (मोनालिसा) एक फिल्म की शूटिंग के सिलसिले में केरल की राजधानी में थी। दिलकश मुस्कान और खूबसूरत आंखों वाली इंदौर की यह लड़की तब मशहूर हुई जब एक 'वर्चुअल कंटेंट क्रिएटर' ने उत्तर प्रदेश के प्रयागराज में कुंभ मेले में रुद्राक्ष की माला बेचते हुए उसका एक वीडियो साझा किया।

पुलिस के मुताबिक, भोसले और उसका प्रेमी जो उत्तर प्रदेश का रहने वाला है, फिल्म के सदस्यों के साथ पुलिस स्टेशन पहुंचे और आरोप लगाया कि उसके पिता मर्ज़ी के खिलाफ उसे वापस ले जाने की कोशिश कर रहे हैं। उन्होंने कहा कि यह जोड़ा हाल ही में फिल्म की शूटिंग के सिलसिले में पास के पूवार पहुंचा था। एक पुलिस अधिकारी ने कहा, ''उसने ज़ोर दिया कि वह अपने पिता के साथ नहीं जाएगी और यह साफ़ कर दिया कि वह अपने प्रेमी से शादी करने जा रही है। चूंकि वह बालिग है, इसलिए वह अपनी मर्ज़ी से काम कर सकती है।'' पुलिस अधिकारी ने कहा कि बाद में वह अपने प्रेमी और फिल्म के सदस्यों के साथ चली गई।

शिष्टाचार भेंट

राज्यसभा सांसद राघव चड्ढा ने गुरुवार को राष्ट्रपति भवन में जलपान (ब्रेकफास्ट) के निमंत्रण पर राष्ट्रपति द्रौपदी मुर्मू से मुलाकात की और उन्हें अपनी शुभकामनाएं दीं।

खाड़ी क्षेत्र में मौजूदा सुरक्षा स्थिति पर विचार-विमर्श करने शहबाज शरीफ सऊदी अरब की यात्रा पर गए

इस्लामाबाद/भाषा। पाकिस्तानी प्रधानमंत्री शहबाज शरीफ बृहस्पतिवार को सऊदी अरब की संक्षिप्त सरकारी यात्रा पर रवाना हुए। सऊदी अरब के साथ पाकिस्तान के रक्षा समझौते के कारण इस यात्रा में पाकिस्तान की भूमिका की परख होगी।दोनों देशों ने पिछले साल सितंबर में एक पारस्परिक रक्षा समझौते पर हस्ताक्षर किए थे तथा दोनों ने किसी तीसरे देश द्वारा हमला किए जाने की स्थिति में एक-दूसरे की रक्षा करने की प्रतिबद्धता जतायी थी। यह समझौता तब हुआ था जब इजराइल ने कतर में हमास के नेताओं पर हमला किया था।

हालांकि, अमेरिका और इजराइल द्वारा साथ मिलकर ईरान पर हमले शुरू किए जाने के बाद स्थिति बदल गई । ईरान ने खाड़ी देशों में बमबारी करके जवाबी कार्रवाई की।ईरान के साथ पाकिस्तान के अच्छे संबंधों और भौगोलिक निकटता को देखते हुए, इस बात को लेकर चिंता बढ़ती जा रही है कि क्या पाकिस्तान सऊदी अरब के प्रति अपने दायित्वों को पूरा करेगा।

एक दिन पहले ही प्रधानमंत्री के विदेश मामलों के प्रवक्ता मुशरफ जैदी ने कहा था कि पाकिस्तान सऊदी अरब की मदद के लिए 'जरूरत पड़ने से पहले ही' मौजूद रहेगा।प्रधानमंत्री कार्यालय (पीएमओ) के एक बयान में कहा गया है कि सऊदी के युवराज मोहम्मद बिन सलमान के निमंत्रण पर प्रधानमंत्री यह यात्रा कर रहे हैं।

उसने कहा है कि प्रधानमंत्री सऊदी अरब के युवराज से मुलाकात करेंगे तथा भेंटवार्ता के दौरान दोनों 'क्षेत्र में जारी तनाव, क्षेत्रीय सुरक्षा स्थिति और दोनों देशों के बीच द्विपक्षीय संबंधों पर विचार-विमर्श करेंगे।''प्रधानमंत्री कार्यालय ने कहा,''यह दौरा कूटनीतिक क्षेत्र में पाकिस्तान की सकारात्मक भूमिका को उजागर करता है और पाकिस्तान इस भूमिका को निभाता रहेगा।''

अलग से, विदेश कार्यालय के प्रवक्ता ताहिर हुसैन अंद्राबी ने साप्ताहिक ब्रीफिंग के दौरान इस यात्रा की पुष्टि करते हुए कहा कि प्रधानमंत्री एक दिवसीय सऊदी अरब यात्रा पर रवाना हुए हैं। उन्होंने बताया कि उपप्रधानमंत्री और विदेश मंत्री इशाक डार भी प्रधानमंत्री के साथ इस यात्रा पर गए हैं।

प्रवक्ता ने कहा कि यह यात्रा क्षेत्रीय शांति और सुरक्षा से संबंधित मामलों पर पाकिस्तान और सऊदी अरब के बीच चल रहे समन्वय का हिस्सा है।

चीन की संसद का वार्षिक सत्र कई कानूनों को अनुमोदित करने के साथ संपन्न

बीजिंग/भाषा। चीन की संसद का बहुचर्चित वार्षिक सत्र कई कानूनों को मंजूरी देने के साथ बृहस्पतिवार को समाप्त हो गया। इन कानूनों में देश की अर्थव्यवस्था में मंदी पर काबू पाने के लिए नई पंचवर्षीय योजना, रक्षा बजट में वृद्धि और विवादास्पद जातीय कानून शामिल हैं।विवादास्पद जातीय कानून सभी जातीय अल्पसंख्यकों के लिए मंदारिन भाषा को अनिवार्य बनाता है।नेशनल पीपुल्स कांग्रेस (एनपीसी) का वार्षिक सत्र दो सप्ताह से भी कम समय में संपन्न हुआ। एनपीसी को अक्सर रबर-स्टैंप संसद कहा जाता है क्योंकि वह सत्तारूढ़ चीनी कम्युनिस्ट पार्टी (सीपीसी) द्वारा अनुमोदित कानूनों पर नियमित रूप से बस मुहर लगाती है।

एनपीसी और शीर्ष सलाहकार निकाय - चीनी पीपुल्स पॉलिटिकल कंसल्टेटिव कॉन्फ्रेंस (सीपीपीसीसी) का वार्षिक सत्र मार्च के पहले हफ्ते में शुरू हुआ था जिसमें 5,000 से अधिक प्रतिनिधियों ने हिस्सा लिया।अमेरिका-ईरान युद्ध और चीनी राष्ट्रपति शी चिनपिंग द्वारा किए गए व्यापक सैन्य बदलावों के कारण व्याप्त उथल-पुथल के बीच आयोजित इन दोनों सत्रों ने वैश्विक स्तर पर ध्यान आकर्षित किया।

शी जिनपिंग (72) ने दोनों सदनों के सत्र में भाग लिया।इससे पहले, दोनों सत्रों में भाग लेने वाले 240 से अधिक प्रतिनिधियों को संबोधित करते हुए, शी चिनपिंग ने सैन्य अधिकारियों से राजनीतिक निष्ठा बढ़ाने का खुला आह्वान किया, जिसका अर्थ है पार्टी के नेतृत्व का अनुसरण करना।शी चिनपिंग पीएलए और सीपीसी की समग्र उच्च कमान, केंद्रीय सैन्य आयोग (सीएमसी) के प्रमुख भी हैं।जनवरी में पीएलए के सर्वोच्च रैंक वाले जनरल झांग यूक्सिया समेत दो वरिष्ठ सैन्य अधिकारियों को उनके पद से हटाए जाने के बाद शी की यह पहली बैठक है। दोनों सैन्य अधिकारियों को उनके पद से हटाये जाने को हाल के इतिहास में पीएलए में बड़ा बदलाव माना गया, जो निचले स्तर के सैनिकों के लिए झटके जैसा था। महत्वपूर्ण बात यह है कि छह सदस्यीय सीएमसी के अंतिम बचे जनरल झांग शेंगमिन ने संसद के वर्तमान सत्र में अपने भाषण में सेना से शी चिनपिंग के आदेश का दृढ़तापूर्वक पालन करने का आह्वान किया। एनपीसी का सत्र पांच मार्च को शुरू हुआ, जिसमें शी चिनपिंग के करीबी सहयोगी प्रधानमंत्री ली कियांग ने अपनी सरकार की कार्य रिपोर्ट प्रस्तुत की। इस रिपोर्ट में हाल के वर्षों में पहली बार चीन के जीडीपी लक्ष्य को इस वर्ष के लिए 4.5 से 5 प्रतिशत तक कम कर दिया गया है।

ममता कुलकर्णी ने प्रशंसकों को दिखाया अपना नया परिवार

मुंबई/एजेन्सी

हिंदी सिनेमा के 90 के दशक की लोकप्रिय अभिनेत्री और मॉडल ममता कुलकर्णी आए दिन सुर्खियों में बनी रहती है। हाल ही में अभिनेत्री लाफ्टर शेफ्स अनलिमिटेड एंटरटेनमेंट सीजन-3 शो में गेस्ट के रूप में नजर आईं। इसके साथ ही अभिनेत्री ने 25 सालों के लंबे गैप के बाद टीवी पर वापसी की। ममता कुलकर्णी ने गुरुवार को अपने सोशल मीडिया प्लेटफॉर्म इंस्टाग्राम पर एक वीडियो शेयर किया है, जहां वह प्रशंसकों को नमस्ते करने के साथ वीडियो की शुरुआत करती हैं और लोगों को अपने परिवार से मिलाती हैं। वीडियो में अभिनेत्री अपने घर में बैठी नजर आ रही हैं, जहां उनके बालकनी में कौआ खाना खा रहा है। एक्ट्रेस ने उन्हें दिखाते हुए कहा, अभी हम सब मिलकर सुबह का नाश्ता कर रहे हैं, बस यही मेरी दुनिया है। वीडियो में ममता बाल खोली काले रंग के कपड़े में नजर आ रही हैं। अभिनेत्री के इस पोस्ट पर कुछ ही देर में हजारों व्यू और लाइक्स आ चुके हैं। वहीं, फैंस लगातार कमेंट्स के माध्यम से

एक्ट्रेस के पोस्ट पर अपनी-अपनी प्रतिक्रिया दे रहे हैं। जहां एक यूजर लिखता है, आर्यावर्त के ऋषि-मुनि आज से हजारों साल पहले भविष्यवाणी कर चुके थे कि कलयुग में नारी जाति अपने बाल खुले रखेगी। जय सियाराम, वहीं, दूसरे यूजर का कमेंट आता है, आप अच्छी लग रही हैं, हमेशा की तरह। एक और यूजर कमेंट करते हैं, नमस्ते नहीं, जय श्री राम। जय मां भद्रकाली मातेश्वरी नारायणी। योगी हैं आप। नारायण से नाम लो। जय श्री राम। कुछ यूजर कमेंट्स के माध्यम से यह सवाल भी पूछ रहे हैं कि क्या आप अकेली रहती हैं?

बता दें, ममता कुलकर्णी बीते कुछ समय में काफी विवादों में रही हैं। जनवरी 2025 में प्रयागराज महाकुंभ के दौरान वो किन्नर अखाड़े की महामंडलेश्वर बनी थीं लेकिन कुछ ही समय बाद शंकराचार्य अविमुक्तेश्वरानंद पर टिप्पणी करने के कारण वो विवादों में आ गईं। इसके बाद किन्नर अखाड़ा ने उन्हें पद से निष्कासित कर दिया। अभिनेत्री दो दशकों से ज्यादा समय से फिल्मी दुनिया से दूर रहीं और अध्यात्म का मार्ग अपनाया। हालांकि, 25 सालों के लंबे गैप के बाद उन्होंने एक बार फिर टीवी पर वापसी की। लाफ्टर शेफ्स में बतौर गेस्ट के रूप में आकर ममता ने अपने फैंस को सरप्राइज दिया।

प्रदर्शन

दिल्ली कांग्रेस के कार्यकर्ताओं ने एलपीजी की किल्लत और कीमतों में बढ़ोतरी के विरोध में गुरुवार को नई दिल्ली के झंडेवालान इलाके में जोरदार प्रदर्शन किया।

उपस्थिति

अभिनेत्री कृतिका कामरा और टेलीविजन होस्ट गौरव कपूर शादी के बाद पहली बार एक साथ सार्वजनिक रूप से नजर आए और मुंबई में तस्वीरें खिंचवाईं।

पुरुष की सफलता में महिलाओं का आशीर्वाद जरूरी, गोविंदा का पुराना इंटरव्यू वायरल

मुंबई/एजेन्सी

बॉलीवुड के दिग्गज अभिनेता गोविंदा अपनी फिल्मों को लेकर काफी चर्चा बटोरते थे और आज वह अपने निजी जीवन को लेकर सुर्खियों में बने हुए हैं। उन्होंने साल 1987 में सुनीता आहूजा से शादी की थी, लेकिन अब वह इसी रिश्ते को लेकर सवालों के घेरे में हैं। कभी तलाक की खबरें सामने आती हैं, तो कभी एक्स्ट्रा मैरिटल अफेयर की अफवाहें जोर पकड़ने लगती हैं। इन सबके बीच गोविंदा का एक पुराना इंटरव्यू सोशल मीडिया पर तेजी से वायरल हो रहा है, जिसमें वह पुरुषों की जिंदगी में महिलाओं की अहमियत पर बात करते नजर आ रहे हैं। इस बातचीत में उन्होंने अपनी मां की सीख को याद करते हुए बताया कि किसी भी पुरुष की सफलता में महिलाओं का आशीर्वाद बहुत मायने रखता है।

यह बातचीत उन्होंने लहरें टीवी को दिए एक इंटरव्यू में की थी। इस दौरान गोविंदा कहते हैं, ''मेरा मानना है कि हर पुरुष को अपनी

जिंदगी में मौजूद महिलाओं को खुश रखने की कोशिश करनी चाहिए। महिलाओं का आशीर्वाद किसी भी आदमी की जिंदगी को बेहतर बना सकता है। जब किसी व्यक्ति को महिलाओं का समर्थन और दुआ मिलती है, तो उसकी सफलता की राह और भी आसान हो जाती है।''गोविंदा ने कहा, ''मेरी मां हमेशा कहती थीं कि महिलाएं बहुत शक्तिशाली होती हैं और उनके बिना पुरुष कमजोर हो जाता है। भगवान शिव भी तब तक पूर्ण नहीं माने जाते जब तक उनके साथ देवी शक्ति का साथ न हो। स्त्री और पुरुष दोनों एक-दूसरे के पूरक होते हैं और दोनों का साथ जीवन को संतुलित बनाता है।''अभिनेता ने आगे कहा, ''अगर कोई पुरुष अपनी जिंदगी में महिलाओं का सम्मान करता है और उनका आशीर्वाद लेकर आगे बढ़ता है तो उसकी सफलता बढ़ जाती है। यह बात सिर्फ पत्नी तक सीमित नहीं है, बल्कि मां, बेटी, दोस्त या किसी परिचित महिला के रूप में भी महिलाओं का सम्मान और आशीर्वाद बेहद जरूरी होता है।'' इस बातचीत के दौरान गोविंदा ने खुद को मां का लाड़ला बेटा बताया। उन्होंने कहा, ''जीवन के शुरुआती दिनों में मेरा सबसे बड़ा सपना अपनी मां के लिए एक सफल बेटा बनना था। अब एक अच्छा पति और पिता बनना है।

भावनाओं में बहकर शो छोड़ना आसान है पर जिम्मेदारी निभाना चुनौती : निक्की तंबोली

मुंबई/एजेन्सी

अभिनेत्री निक्की तंबोली रियलिटी शो 'द 50' से बाहर हो गई हैं। उन्हें डबल एविक्शन में शो से बाहर कर दिया गया। शो से निकलने के बाद निक्की ने बुधवार को इंस्टाग्राम के जरिए शो में चल रहे संघर्ष और अपनी हालत के बारे में बात की। उन्होंने इंस्टाग्राम पर एक नोट लिखा और अपनी भावनाएं व संघर्ष साझा किए। निक्की ने लिखा, कई लोग कह रहे हैं कि जब अरबाज को शो से निकाला गया, तो मुझे भी शो छोड़ देना चाहिए था, लेकिन शो में आने का मतलब जिम्मेदारी और वादा निभाना होता है। भावनाओं में आकर शो छोड़ना आसान लग सकता है पर कमिटमेंट निभाना असली हिम्मत है। निक्की ने लिखा कि जब मेरे भाई का देहांत हुआ था, तब भी मैं अगले दिन 'खतरों के खिलाड़ी' की शूटिंग के लिए गई थी। उन्होंने लिखा, मेरे लिए कमिटमेंट का मतलब यही होता है। भावनाएं सच्ची होती हैं, लेकिन जिम्मेदारी भी उतनी ही महत्वपूर्ण है। शो ने मुझे हमेशा सम्मान, महत्व और प्राथमिकता दी। कमिटमेंट सिर्फ भावनाओं का नाम नहीं, बल्कि उस हिम्मत का नाम भी है, जब पता होता है कि बाहर लोग आलोचना करेंगे, कहानियां बनाएंगे, फिर भी आप मजबूत रहते हैं। निक्की ने बताया कि शो में जाने से पहले वे डेंगू से ठीक होकर आई थीं। इसलिए ठीक से परफॉर्म नहीं कर पा रही थीं। उन्होंने लिखा, कई लोगों ने मेरी परफॉर्मेंस को जज किया, बिना जाने कि मैं डेंगू से ठीक होकर आई थी। शरीर में थकान, कमजोरी और बहुत ज्यादा थकावट थी। छोटी-छोटी चीजें भी भारी लगती थीं, फिर भी मैं हर दिन हिम्मत से शो में गई। उन्होंने कहा कि शो में उनका मुकाबला किसी दूसरे से नहीं बल्कि खुद से था। उन्होंने कहा, मेरा असली मुकाबला किसी से नहीं बल्कि खुद से था।अपनी ताकत, सीमाओं और शरीर की लड़ाई से। सबसे कठिन लड़ाइयां अक्सर दिखाई नहीं देतीं। हर दिन वहां पहुंचना, थकान के बावजूद खड़े रहना और हार न मानना यही मेरी असली चुनौती थी।

फिल्म 'निशानची' में डबल रोल का चला जादू, ऐश्वर्य ठाकरे ने जीता अवॉर्ड

मुंबई/एजेन्सी

फिल्म 'निशानची' से हिंदी सिनेमा में डेब्यू करने वाले अभिनेता ऐश्वर्य ठाकरे ने बड़ी उपलब्धि हासिल कर ली। दरअसल, अभिनेता को हाल ही में अपनी डेब्यू फिल्म में शानदार अभिनय के लिए बेस्ट डेब्यू मेल (जूरी) अवॉर्ड मिला। क्राइम ड्रामा फिल्म 'निशानची' साल 2025 में रिलीज हुई थी और इसका निर्देशन अनुराग कश्यप ने किया था। फिल्म में ऐश्वर्य के अलावा, वेदिका पिंटो, मोनिका पंवार, मोहम्मद ज़ीशान अय्यूब और कुमुद मिश्रा जैसे कलाकार नजर आए थे। फिल्म में ऐश्वर्य ठाकरे ने अपने डबल रोल से काफी प्रभावित किया था और उनके इस रोल के लिए काफी सराहना भी मिली थी। यह सम्मान ऐश्वर्य ठाकरे के अभिनय करियर का पहला बड़ा अवॉर्ड है। फिल्म निशानची में उनके

अभिनय को समीक्षकों और दर्शकों दोनों से सराहना मिल रही है, जिससे वह इंडस्ट्री के उभरते हुए कलाकारों में शामिल हो गए हैं।

ऐश्वर्य ने अपनी इस उपलब्धि पर खुशी जाहिर की। उन्होंने फिल्म के निर्देशक अनुराग कश्यप का आभार जताया और कहा कि उनके साथ अपने सिनेमा सफर की शुरुआत करना उनके लिए एक सौभाग्य की बात है।उन्होंने कहा, मैं खुद को बहुत भाग्यशाली मानता हूं कि मेरा सफर इतने ईमानदार और जीनियस क्रिएटर के साथ शुरू हुआ। अनुराग सर ने मुझ पर भरोसा किया और मुझे उनके सिनेमा का हिस्सा बनने का मौका दिया।ऐश्वर्य ने अपनी पूरी टीम का भी धन्यवाद किया।

उन्होंने अपने सह-कलाकारों वेदिका पिंटो, मोनिका पंवार, जीशान अय्यूब, कुमुद मिश्रा और विनीत कुमार सिंह सहित पूरी टीम का भी आभार व्यक्त किया। उन्होंने कहा कि यह सम्मान उनके लिए सिर्फ खुशी का पल नहीं बल्कि एक जिम्मेदारी भी है। उन्होंने कहा, यह अवॉर्ड मेरे लिए सिर्फ खुशी नहीं बल्कि एक बड़ी जिम्मेदारी है। अब मुझे और भी बेहतर काम करना है। अच्छी कहानियां दर्शकों तक पहुंचानी है और खुद को लगातार बेहतर बनाना है। अपने संबोधन के अंत में ऐश्वर्य ठाकरे ने अपनी लिखी हुई एक शायरी भी सुनाई, रास्ते में अपने बनाऊंगा, गलतियां मेरी अब न बढ़ाऊंगा, कामयाबी पाने के बाद भी दुनिया सबको सुनाऊंगा।

मनली में मारवाड़ी समाज के 'मुक्तिधाम' भूमि का लोकार्पण

दक्षिण भारत राष्ट्रमत
dakshinbharat.com

चेन्नई। मनली क्षेत्र में संपूर्ण मारवाड़ी समुदाय के लिए 'मुक्तिधाम' भूमि का लोकार्पण 11 मार्च को गरिमामयी वातावरण में सम्पन्न हुआ। यह कार्य समाज की एकता, सेवा भावना और सामूहिक प्रयासों का प्रेरणादायक उदाहरण बना। इस अवसर पर चेन्नई महानगर की महापौर आर. प्रिया तथा ग्रेटर चेन्नई कॉर्पोरेशन मंडल-2 के चेयरमैन आरमुगम ने अन्य प्रशासनिक अधिकारियों की उपस्थिति में मुक्तिधाम भूमि का विधिवत लोकार्पण किया। कार्यक्रम में मनली के साथ-साथ तंडियारपेट, साउकारपेट, रेडहिल्स, नागपालियम, पुलियानथोप, विलिवाक्कम, व्यासरवाड़ी एवं नरकुंड्रम सहित विभिन्न क्षेत्रों से सीरवी समाज के वडेरों, ट्रस्टों के वरिष्ठ सदस्यों एवं गणमान्य समाज बंधुओं ने बड़ी संख्या में भाग लिया और इस ऐतिहासिक अवसर के साक्षी बने। समाज के वरिष्ठजनों ने बताया कि माताजी के आशीर्वाद, बुजुर्गों के मार्गदर्शन एवं समाज बंधुओं के निस्वार्थ सहयोग से यह महत्वपूर्ण संकल्प साकार हो पाया है। सीरवी समाज मनली की कार्यकारिणी ने इस पुनीत कार्य में सहयोग देने वाले सभी दानदाताओं, कार्यकर्ताओं एवं समाज बंधुओं के प्रति आभार व्यक्त किया तथा समाज की एकता को भविष्य में भी ऐसे जनहित कार्यों में बनाए रखने का संकल्प व्यक्त किया। इस आयोजन में सीरवी समाज मनली अध्यक्ष नारायणलाल हाबड़, सचिव मांगीलाल चोयल, कोषाध्यक्ष मांगीलाल परिहार, सदस्य नथाराम, प्रकाश, भेराराम, कानाराम परिहार एवं समस्त कार्यकारिणी का योगदान रहा।

बच्चों ने प्रस्तुत की आर्ट्स एंड साइंस एक्सपो-2026

दक्षिण भारत राष्ट्रमत
dakshinbharat.com

चेन्नई। यहां 12 मार्च को जैन मिशन ग्रुप ऑफ स्कूल्स के अंतर्गत जैन मिशन विद्यालय नर्सरी एवं प्राइमरी स्कूल, अन्नापिल्लै स्ट्रीट में आर्ट्स एंड साइंस एक्सपो-2026 का आयोजन किया गया। कार्यक्रम का उद्घाटन मुख्य अतिथि गगन जी. जैन ने किया और उन्होंने ही कार्यक्रम की अध्यक्षता भी की। यह प्रदर्शनी 13 मार्च तक जारी रहेगी। इस अवसर पर केजी से पाँचवीं कक्षा तक के विद्यार्थियों ने विज्ञान, गणित और सामाजिक विज्ञान से संबंधित अनेक आकर्षक परियोजनाएँ एवं कार्यशील मॉडल प्रस्तुत किए।

विद्यार्थियों द्वारा बनाए गए सौरमंडल, सिंचाई के तरीके, वर्षा जल संचयन, जल चक्र तथा प्रकाश के परावर्तन जैसे मॉडल प्रदर्शनी के प्रमुख आकर्षण रहे। विज्ञान विषयों के अतिरिक्त विद्यार्थियों ने भाषाई विषयों में भी अपनी प्रतिभा का प्रदर्शन किया। हिंदी में सर्वनाम, तमिल में भूमि के प्रकार तथा अंग्रेज़ी में कम्पाउंड वर्ड्स और आर्टिकल्स से संबंधित मॉडल प्रस्तुत किए गए।

इस अवसर पर विद्यालय प्रबंधन कार्यकारिणी समिति के संवाहक गौतम कुमार पी. जैन, कोषाध्यक्ष झुमरलाल जैन, सदस्य कांतिलाल जैन, कमलेश जैन तथा प्रदीप वागरेचा जैन एवं जैन मिशन सोसाइटी के कोषाध्यक्ष भंवरलाल जैन उपस्थित रहे।

उन्होंने प्रदर्शनी का अवलोकन कर विद्यार्थियों के प्रयासों की सराहना की।

मुख्य अतिथि गगन जी. जैन ने शिक्षकों और विद्यार्थियों के प्रयासों की प्रशंसा करते हुए कहा कि इस प्रकार की गतिविधियाँ बच्चों के रचनात्मक और वैज्ञानिक विकास में महत्त्वपूर्ण भूमिका निभाती हैं तथा उन्हें भविष्य में आगे बढ़ने की प्रेरणा भी देती हैं।

आदिनाथ सेवा केन्द्र में ओली पास वितरण

दक्षिण भारत राष्ट्रमत
dakshinbharat.com

चेन्नई। यहां सूलै स्थित आदिनाथ जैन ट्रस्ट द्वारा आदि नाथ सेवा केंद्र में साध्वीश्री मणिप्रभाश्रीजी आदिविशाल साध्वीजी के निश्रा में लाभार्थी हुलासमल प्रमोद मनीषा चोरड़िया के सहयोग से 25 मार्च से शुरु होने वाली शाश्वत ओलीजी के पास वितरण शुरू किए गए। ट्रस्ट के उपाध्यक्ष डॉ मनोज जैन द्वारा संचालन करते हुए कहा कि सभी तपस्वी जल्द से जल्द पास प्राप्त करे ताकि व्यवस्था में की जा सके। ओली में प्रति दिन प्रत्येक तपस्वी का सम्मान, ओली करने वालों का विशेष सम्मान किया जाएगा। ओली पारणा आदि सभी का लाभ प्रमोद चोरड़िया परिवार द्वारा लगातार दसवीं बार ओली पर करने की घोषणा करते हुए ट्रस्ट द्वारा विशेष आभार व्यक्त किया गया। इस चैत्र मास ओली में सकल संघ को जुड़ने की अपील की गई।

जैन प्रीमियर लीग सीजन-1 में 14 टीमें दिखाएंगी दम कल से

दक्षिण भारत राष्ट्रमत
dakshinbharat.com

चेन्नई। जैन डोटा वॉलीबॉल फेडरेशन द्वारा आयोजित जैन प्रीमियर लीग सीजन-1 के सफल आयोजन को लेकर ए.एम. जैन कॉलेज परिसर में गुरुवार को एक महत्वपूर्ण बैठक आयोजित की गई। बैठक में कॉलेज के सेक्रेटरी उदन चोरडिया, कमेटी सदस्य नरेंद्र नाहर एवं नरेंद्र चोरडिया के साथ फेडरेशन की कोर कमेटी के सदस्यों ने टूर्नामेंट की तैयारियों पर विस्तार से चर्चा की। बैठक में बताया गया कि जैन प्रीमियर लीग का आयोजन 15 मार्च को ए.एम. जैन कॉलेज के मैदान में किया जाएगा, जिसमें चेन्नई की वॉलीबॉल डोटा खेलने वाली 14 टीमें भाग लेंगी।

इस अवसर पर कॉलेज प्रबंधन ने अपने ग्राउंड परिसर उपलब्ध कराने के साथ-साथ आयोजन की व्यवस्थाओं का जिम्मा भी अपने हाथों में लिया है। इस टूर्नामेंट के प्रायोजक एजी जैन स्पोर्ट्स क्लब एवं ज़ेब्रोनिक्स हैं।

बैठक में कोर कमेटी के सदस्य राजेश सुराणा, दलजीत सिंह ढढा, अभिनंदन बोथरा, तरुण बोथरा, शांतिलाल लूंकड़ एवं उत्तम जांगड़ा उपस्थित रहे और आयोजन को सफल बनाने के लिए आवश्यक व्यवस्थाओं पर विचार-विमर्श किया गया।

उन्नत रक्तहीन लैप्रोस्कोपिक सर्जरी कर डाक्टरों ने बचाई मरीज की जान

दक्षिण भारत राष्ट्रमत
dakshinbharat.com

चेन्नई। यहां के एसआरएम प्राइम अस्पताल के डाक्टरों ने उन्नत लैप्रोस्कोपिक सर्जरी द्वारा आंत के ऊतकों में विकसित होने वाले कैंसर (एडवांस्ड कोलन कैंसर) से पीड़ित एक मरीज की जान सफलतापूर्वक बचाई। इस सर्जरी में सिग्मॉइड कोलन और ऊपरी मलाशय के कैंसर से प्रभावित हिस्से को सावधानीपूर्वक हटाया गया और आंत के स्वस्थ सिरों को फिर से जोड़ दिया गया ताकि मल त्याग के लिए एक प्राकृतिक मार्ग बना रहे। सर्जरी के बाद मरीज की हालत अच्छी है और वह अपनी स्वस्थ दिनचर्या में लौट आए हैं।

एसआरएम प्राइम हॉस्पिटल में सर्जिकल ऑन्कोलॉजी क्लिनिकल लीड और सीनियर कंसल्टेंट डॉ. सेंथिल कुमार रविचंदर के नेतृत्व में सर्जरी सफलतापूर्वक की गई। सर्जिकल टीम ने न्यूनतम चीरा लगाकर लैप्रोस्कोपिक हाई एंटीरियर रिसेक्शन किया, जिसमें पेट में छोटे चीरे लगाकर सिग्मॉइड कोलन और ऊपरी मलाशय के कैंसरग्रस्त हिस्से को हटाया गया। बचे हुए स्वस्थ आंत्र को फिर से जोड़ दिया गया ताकि मल त्याग का सामान्य मार्ग बहाल हो सके। यह सब हाई डेफिनिशन 4के विज़ुअलाइज़ेशन और इन्फ्रारेड इमेजिंग तथा उन्नत उपकरणों की सहायता से किया गया, जिससे बहुत कम रक्त हानि के साथ सटीक सर्जरी हो सकी, जो रोगी द्वारा रक्त आधान से इनकार करने के कारण अत्यंत महत्वपूर्ण था।

अपने संबोधन में डॉ. सेंथिल ने कहा, हमने एक सख्त, साक्ष्य-आधारित रक्त संरक्षण प्रोटोकॉल का पालन किया, जिससे हम रक्त आधान के बिना सर्जरी करने में सक्षम हुए। इसके लिए सटीक शल्य चिकित्सा तकनीक, सटीक एनेस्थेटिक प्रबंधन और एनेस्थीसिया, गहन देखभाल और नर्सिंग टीमों के बीच गहन देखभाल समन्वय की आवश्यकता थी।

एक तरफा अमृत भारत एक्सप्रेस स्पेशल

दक्षिण भारत राष्ट्रमत
dakshinbharat.com

चेन्नई। यहां दक्षिण रेलवे से प्राप्त जानकारी के अनुसार पूर्व मध्य रेलवे ने यात्रियों की अतिरिक्त भीड़ को कम करने के लिए ट्रेन संख्या 03375 धनबाद-पोदानूर एकतरफा अमृत भारत एक्सप्रेस स्पेशल चलाने का निर्णय लिया है। ट्रेन संख्या 03375 धनबाद-पोदानूर अमृत भारत एक्सप्रेस स्पेशल 14 मार्च शनिवार को दोपहर 2 बजे धनबाद से प्रस्थान करेगी और तीसरे दिन सुबह 11:20 बजे पोदानूर पहुंचेगी। इस ट्रेन में 8-स्लीपर क्लास कोच, 11-जनरल सेकंड क्लास कोच, 1-पैंट्री कार और 2-जनरल सेकंड क्लास कोच (दिव्यांगजन अनुकूल) कोच होंगे।

धनबाद- पोदानुर वन वे अमृत भारत एक्सप्रेस स्पेशल धनबाद से प्रस्थान कर कटरासगढ़, चंद्रपुर, बोकारो इस्पात शहर, मूरी, रांची, हटिया, राउरकेला, झारसुगुडा, संबलपुर, बारगढ़ रोड़, बलांगीर, टिटलागढ़, केसिंगा, मुनिगुडा, रायगढ़, पार्वतीपुरम, बोब्बिली, विजयनगरम, कोट्टावलासा, सिम्हाचलम उत्तर, दुव्वाडा, समालकोट, राजमुंद्री, एलुरु, विजयवाड़ा, ओंगोल, नेल्लोर, रेनिगुंटा, तिरुतनि, काटपाड़ी, जोलारपेट्टई, सेलम, इरोड, तिरुपूर, कोयंबटूर होते हुए पोदानुर पहुंचेगी।

होली स्नेह मिलन एवं आभार प्रदर्शन

दक्षिण भारत राष्ट्रमत
dakshinbharat.com

चेन्नई। यहां 15 मार्च को होली स्नेह मिलन समारोह एवम् धन्यवाद सभा समारोह का आयोजन गुड़ामालानी विधानसभा क्षेत्र के संपूर्ण भाजपा परिवार प्रवासियों द्वारा किया जा रहा है।

केके विश्नोई

हिंगलाजदान चारण आकली ने बताया कि चेन्नई के साहुकारपेट स्थित कार्यालय में इस बैठक का उद्देश्य होली स्नेह मिलन समारोह के साथ हमारे क्षेत्र के मंत्री के.के. बिश्नोई द्वारा गुड़ामालानी विधानसभा को बालोतरा जिले में शामिल करने के उपलक्ष में उनका आभार व्यक्त किया जाएगा।

इस दौरान विधानसभा के गणमान्य व्यक्ति उपस्थित रहेंगे।

चौखाराम सुथार पूर्व अध्यक्ष विश्वकर्मा जांगिड़ महासभा तमिलनाडु, हिंगलाजदान चारण आकली, अध्यक्ष अखिल भारतीय चारण-गढ़वी महासभा तमिलनाडु, रतनलाल जैन, कल्याण सिंह राजपूत, जगदीश सुथार, जुगराज सैन, भूराराम कलबी, भंवर लाल देवासी, किसनलाल खत्री, श्रवण ढाका बिश्नोई, ठाकराराम जाट, विक्रम दास संत, आदि मौजूद रहेंगे।

छाछ वितरण — दक्षिण भारत राष्ट्रमत

कोयम्बटूर। यहां के जगन्नाथ टेक्सटाइल्स द्वारा आरएसपुरम् के राजस्थानी संघ के प्रांगण बटरमिल्क स्टॉल का शुभारंभ अतिथि शहर की महापौर श्रीमती रंगनायकी और निगम के आयुक्त शिव गुरु प्रभाकरण ने किया। राजस्थानी संघ के प्रांगणमें जगन्नाथ टेक्सटाइल के अध्यक्ष रमेश टिबरेवाल ने सबका स्वागत किया। राजस्थानी संघ के अध्यक्ष संतोष मुन्दड़ा, उपाध्यक्ष जीतेन्द्र पुगलिया, सचिव प्रदीप कर्नानी आदि ने रमेश टिबरेवाल, एवं अतिथियों का स्वागत किया। महापौर ने जगन्नाथ समूह द्वारा गत 21 सालों से निरन्तर बटर मिल्क की सेवा की प्रशंसा की। गर्मी के समय बटरमिल्क (छाछ) राहगीरों को राहत देता है। शहर के जगह जगह पर दी जानी वाली यह सेवा गर्मी के लिए जरूरी है।

वर्षीतप प्रारंभ दिवस पर वर्षीतप आराधकों ने ग्रहण किए सामूहिक प्रत्याख्यान

श्रेयांस पारणा समिति ने किया आयोजन

दक्षिण भारत राष्ट्रमत
dakshinbharat.com

बेंगलूरु। शहर के मागड़ी रोड स्थित गुरु ज्येष्ठ पुष्कर जैन आराधना केन्द्र में पंडितरत्नश्री ज्ञानमुनिजी, उपप्रवर्तिनीश्री सत्यप्रभाजी के सान्निध्य में आदिनाथ ऋषभदेव भगवान के जन्म कल्याणक, दीक्षा कल्याणक के पावन पवित्र दिवस पर श्रेयांस पारणा समिति के तत्वावधान में आयोजित कार्यक्रम में गुरु ज्येष्ठ पुष्कर आराधना केन्द्र में अनेक श्रावक श्राविकाओं ने वर्षीतप प्रारंभ किया तथा प्रत्याख्यान ग्रहण किए। लगभग 400 दिनों तक चलने वाली तेरह महीने की यह वर्षी तप आराधना आगामी वर्ष के अक्षय तृतीया के दिन पूर्णाहुति होगी। श्रेयांस पारणा समिति के चेयरमैन रमेशचंद सियाल एवं सह चेयरमैन मीठालाल लोढ़ा ने सभी श्रद्धालुओं तपस्वियों का स्वागत किया और अक्षय तृतीया पारणा महोत्सव आचार्य पार्श्वचंद्र डॉ एवं एस एस समणी मार्ग के प्रारंभकर्ता पदमचंद्रमुनि के सान्निध्य में त्रिपुरावासिनी के प्रांगण में 400से अधिक पारणा की तैयारियां किए जाने की जानकारी दी। समिति के प्रवक्ता जेके महावीरचंद चोरड़िया ने बताया कि इस अवसर पर 38 उदारमनाओं ने एकांतर पारणा व्यवस्था के वार्षिक सहयोगी बनने की घोषणा की। इस अवसर पर समाज के अनेक गणमान्य व्यक्ति उपस्थित थे।

मैं आरएसएस से हूं, लेकिन आसन किसी भी विचारधारा या पार्टी से परे है: राधाकृष्णन

नई दिल्ली/भाषा। राज्यसभा के सभापति सी पी राधाकृष्णन ने बृहस्पतिवार को कहा कि इसमें कोई शक नहीं है कि वह राष्ट्रीय स्वयंसेवक संघ (आरएसएस) से हैं लेकिन लेकिन सदन का आसन किसी भी विचारधारा या पार्टी से परे है।

वह राज्यसभा में विपक्ष के नेता मल्लिकार्जुन खरगे की एक टिप्पणी का जवाब दे रहे थे, जिन्होंने सदन में टेलीविज़न के मॉनिटर पर दिखाई जा रही अपनी एक पुरानी तस्वीर की ओर इशारा करते हुए कहा यह शर्ट अलग है लेकिन वह शर्ट पूरी तरह से आरएसएस की है।

इस पर राधाकृष्णन ने जवाब दिया: वह मेरी पुरानी फ़ोटो है जो दिखाई जा रही है। मैं आरएसएस से हूं, इसमें कोई शक नहीं है और मैं इससे कभी इनकार नहीं करूंगा।'' उन्होंने मुस्कुराते हुए कहा जहां तक मुझे पता है कि आसन कोई आरएसएस नहीं होता, कोई कांग्रेस नहीं होता है।''

बेंगलूरु में पाइपलाइन से आने वाली प्राकृतिक गैस की कोई कमी नहीं है : गेल

बेंगलूरु/दक्षिण भारत। बेंगलूरु में पाइप वाली प्राकृतिक गैस (पीएनजी) की आपूर्ति में कोई कमी नहीं है और पीएनजी नेटवर्क से जुड़े होटल और उद्योगों को बिना किसी रुकावट के निर्बाध आपूर्ति मिलती रहेगी। गेल गैस लिमिटेड के मुख्य महाप्रबंधक (सीजीडी) और कार्यवाहक संजय कुमार सिंह ने गुरुवार को यहां बेंगलूरु चैंबर ऑफ इंडस्ट्री एंड कॉमर्स (बीसीआईसी) द्वारा आयोजित 'प्राकृतिक गैस आपूर्ति दृष्टिकोण और उद्योग की तैयारी' पर एक संवादात्मक सत्र में विभिन्न उद्योगों के प्रतिनिधियों को संबोधित करते हुए यह बात कही।

सिंह ने बताया, बेंगलूरु में पाइपलाइन के जरिए प्राकृतिक गैस की आपूर्ति स्थिर और पूरी तरह नियंत्रण में है। पीएनजी नेटवर्क से जुड़े उद्योगों, होटलों और व्यावसायिक प्रतिष्ठानों को चिंता करने की जरूरत नहीं है, क्योंकि आपूर्ति में कोई रुकावट नहीं है और व्यावसायिक गतिविधियां निर्बाध रूप से चलती रहेंगी। जो भोजनालय और होटल व्यावसायिक एलपीजी का उपयोग कर रहे हैं और आपूर्ति को लेकर चिंतित हैं, वे उपलब्धता के आधार पर मात्र दो महीनों के भीतर पीएनजी लाइन पर स्विच कर सकते हैं।

बेंगलूरु में एलपीजी की कमी की अफवाहों पर प्रतिक्रिया देते हुए, सिंह ने आश्वासन दिया कि सरकार ने घरेलू एलपीजी उत्पादन बढ़ा दिया है, इसलिए घरेलू एलपीजी उपयोगकर्ता राहत की सांस ले सकते हैं। उन्होंने कहा, हम 'गेल' में अपने पाइपलाइन नेटवर्क का लगातार विस्तार कर रहे हैं और बेंगलूरु शहर में नए पाइपलाइन गैस कनेक्शन उपलब्ध कराने के लिए तैयार हैं, ताकि अधिक से अधिक उपभोक्ता प्राकृतिक गैस (पीएनजी) का उपयोग शुरू कर सकें, जो न केवल कुशल है बल्कि एक स्वच्छ और अधिक टिकाऊ ऊर्जा समाधान भी है।

डिजिटल रूप में भी पढ़ें दक्षिण भारत हिन्दी दैनिक www.dakshinbharat.com

Published by Bhupendra Kumar on behalf of New Media Company, Arihant Plaza, 2nd Floor, 84-85, Wall Tax Road, Chennai-600 003 and printed by R. Kannan Adityan at Deviyin Kanmani Achagam, 246, Anna Salai, Thousand Lights, Chennai-600 006.
Regn No. RNI No. : TNHIN / 2013 / 52520 **Editor : Bhupendra Kumar** (Responsible for selection of news under PRB Act.). Group Editor - Shreekant Parashar.
Reproduction of any matter from this newspaper in whole or in part or any such manner without prior written permission from the publisher is strictly prohibited and punishable by law.